www.vibhorvarta.com
R.N.I.No. UTTHIN/2009/29251
E-mail: vibhor.trikha@gmail.com

दैनिक
विभोर वार्ता

''मिथ्या से दूर सत्य के पास''

हरिद्वार
सोमवार, 23 जून 2025
(बैशाख कृष्ण पक्ष सप्तमी, संवत 2073)
वर्षः 17 अंकः 228
पृष्ठः 8 मूल्यः1 रूपये

ऊधमसिंहनगर ■ देहरादून ■ हरिद्वार ■ चंडीगढ़ ■ मेरठ से एक साथ प्रकाशित

पीएम मोदी ने दुनिया के सबसे बड़े योग समारोह का किया नेतृत्व

विशाखापत्तनम(ब्यूरो)। । विशाखापत्तनम के मनमोहक समुद्र तट पर उभरती सुनहरी सुबह और बंगाल की खाड़ी में ताल से ताल मिलाती लहरों के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के जश्न में देश और दुनिया भर के योग प्रेमियों का नेतृत्व किया। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज दुनिया के सबसे बड़े योग सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने समुद्र के किनारे ऐतिहासिक योग सत्र में भारत और विदेश से आए हजारों प्रतिभागियों के साथ हिस्सा लिया।

इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ आंध्र प्रदेश के राज्यपाल श्री अब्दुल नजीर और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू गारू भी शामिल हुए। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू गारू और केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री (एमओएचएफडब्लू) प्रतापराव जाधव व भी केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी के साथ मौजूद थे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण गारू और राज्य कैबिनेट मंत्री नारा लोकेश गारू भी मौजूद थे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भारत और दुनिया भर के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस साल 11 वां अवसर है जब दुनिया 21 जून को सामूहिक रूप से योग का अभ्यास करने के लिए एक साथ आई है। उन्होंने कहा कि योग का सार “एकजुट होना” है और यह देखकर खुशी होती है कि योग ने दुनिया को कैसे एकजुट किया है।

पिछले दशक में योग की यात्रा पर विचार करते हुए, श्री मोदी ने उस क्षण को याद किया जब भारत ने संयुक्त राष्ट्र में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का विचार रखा था। उन्होंने कहा कि 175 देशों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया, जो इतनी व्यापक वैश्विक एकता का एक दुर्लभ उदाहरण है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यह समर्थन केवल उस प्रस्ताव के लिए नहीं था, बल्कि पूरी मानव जाति की भलाई के लिए दुनिया का सामूहिक प्रयास था। उन्होंने कहा, “ग्यारह साल बाद, योग दुनिया भर में लाखों लोगों की जीवनशैली का एक अभिन्न अंग बन गया है।”

प्रधानमंत्री ने यह देखकर गर्व व्यक्त किया कि कैसे दिव्यांग व्यक्ति ब्रेल में योग संबंधी पाठ पढ़ रहे हैं और कैसे वैज्ञानिक अंतरिक्ष में योग का अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने योग ओलंपियाड में ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं की उत्साह के साथ भागीदारी का भी उल्लेख किया। श्री मोदी ने कहा कि चाहे वह सिडनी ओपेरा हाउस की सीढ़ियां हों, माउंट एवरेस्ट की चोटी हो या समुद्र का विशाल विस्तार, संदेश एक ही है- “योग सीमाओं, पृष्ठभूमियों या क्षमताओं से परे सभी के लिए है।”

प्रधानमंत्री ने विशाखापत्तनम में होने पर प्रसन्नता व्यक्त की और इसे प्राकृतिक

(शेष पृष्ठ सात पर....)

डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक ने की राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू से शिष्टाचार भेंट

देहरादून(ब्यूरो)। आज राष्ट्रपति निकेतन, देहरादून में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से डा. रमेश पोखरियाल “निशंक” ने शिष्टाचार भेंट की। यह एक प्रकार का एक आत्मीय और ऐतिहासिक अवसर रहा, जिसमें संवाद ने दर्शन का रूप ले लिया। इस अवसर पर डा. निशंक का राष्ट्रपति से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025(ल्वहं वित व्दम म्तंजी, व्दम भ्मंसजी द्य एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग) के विविध पक्षों, उनके उत्तराखंड प्रवास, वैदिक परंपरा की समकालीन (**शेष पृष्ठ सात पर....**)

विदेशी राजनयिक व अन्य उच्च अधिकारियों ने हरकी पौड़ी पहुंचकर गंगा आरती में किया प्रतिभाग

हरिद्वार(ब्यूरो)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मेक्सिको, फिजी,नेपाल, सूरीनाम, मंगोलिया, लातविया, श्रीलंका और रूस के राजनयिक व अन्य उच्च अधिकारियों के साथ ही उत्तराखंड सरकार की ओर से उपाध्यक्ष उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन श्री विनय रुहेला सहित अन्यअधिकारियों ने हरकी पौड़ी पहुंचकर गंगा आरती में प्रतिभाग किया तथा मां गंगा की आरती की।

इस दौरान श्री गंगा सभा द्वारा सभी महानुभावों को मां गंगा के धरती पर अवतरण, मां गंगा के सामाजिक, धार्मिक, पौराणिक एवम् आर्थिक महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

विभिन्न देशों के राजदूत / उच्चायुक्त/ प्रतिनिधियों के साथ निवेश आयुष, पर्यटन एवं संस्कृति पर संबंधित बैठक आयोजित

हरिद्वार(ब्यूरो)। विभिन्न देशों के राजदूत / उच्चायुक्त/ प्रतिनिधियों के साथ निवेश आयुष, पर्यटन एवं संस्कृति पर विस्तृत रणनीतिक चर्चा से संबंधित बैठक हरिद्वार में आयोजित की गई।

बैठक में मेक्सिको, फिजी,नेपाल, सूरीनाम, मंगोलिया, लातविया, श्रीलंका और रूस के राजनयिक व अन्य उच्च अधिकारियों के साथ ही उत्तराखंड सरकार की ओर से उपाध्यक्ष उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन श्री विनय रुहेला, सचिव श्री सचिन कुर्वे, श्री धीराज गबर्याल, श्री जुगल किशोर पंत, अपर सचिव श्री अभिषेक रोहिल्ला श्री विजय कुमार जोगदंडे, तथा उद्योग, आयुष, पर्यटन व संस्कृति विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।राज्य में पर्यटन की अपार संभावनाओं तथा राज्य सरकार द्वारा पर्यटन विकास के लिए गए महत्वपूर्ण कार्यों को रेखांकित करते हुए सचिव श्री सचिन कुर्वे ने विदेशी डेलिगेट्स के समक्ष प्रस्तुतीकरण देते हुए बताया कि राज्य में 3 परिचालन हवाई अड्डे ख्र देहरादून, पंतनगर और पिथौरागढ़ ख्र और 8 हेलीपोर्ट, जो दूरदराज के क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क सुनिश्चित करते हैं और पर्यटन और आपातकालीन पहुंच को बढ़ावा देते हैं।सड़क नेटवर्क की दृष्टिगत 46,000+ किलोमीटर सड़क नेटवर्क, विभिन्न भूभागों में सभी मौसमों में सम्पर्कता के साथ, दूरदराज, तीर्थ और सीमावर्ती क्षेत्रों को वर्ष भर जोड़ता है। राज्य में रोपवे के मामले में परिवहन के वैकल्पिक साधन के रूप में राज्य में रोपवे विकसित किए जा रहे हैं। मसूरी, यमुनोत्री और पूर्णागिरी में रोपवे विकसित किए जा रहे हैं। राज्य में इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास और पुनर्विकास पहल: टिहरी झील को जल और हवाई खेलों के केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। जॉर्ज एवरेस्ट एस्टेट को बेहतर पहुंच, बुनियादी ढांचे और आगंतुक सुविधाओं के साथ पुनर्विकास किया गया है।अपशिष्ट प्रबंधन के तहत केदारनाथ और बद्रीनाथ प्लास्टिक-विनियमित क्षेत्र हैं। बेहतर शौचालय पहल के तहत राज्य में बायो डाइजेस्टर शौचालय विकसित और संचालित किए जा रहे हैं। कौशल विकास के तहत पिछले 3 वर्षों में आतिथ्य क्षेत्र में 5500 से अधिक व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया गया है।साहसिक पर्यटन के तहत राज्य में स्कीइंग, बंजी जंपिंग सहित कई साहसिक गतिविधियां मौजूद हैं, जो इसे रोमांच चाहने वालों के लिए स्वर्ग बनाती हैं।ट्रैकिंग ट्रेल में केदारकांठा, फूलों की घाटी और हरकीदून आकर्षण के केंद्र है ।

परागलिडिंग में नौकुछतल, दयारा बुगयाल व धनोल्टी अपनी विशेष जगह बना रहे हैं । व्हाइट वॉटर राफ्टिंग में ऋषिकेश और टोंस, काली, अलकनंदा और धौलीगंगा तथा मछली पकड़ने में

(शेष पृष्ठ सात पर....)

दुनिया के कई देशों में आतंकवादी हमले

मुनीर के अमेरिका दौरे के राजनयिक संदेश और भू-राजनीतिक संकेत की बात करें तो आपको बता दें कि इस दौरे को ऐसे समय पर देखा जा रहा है जब पाकिस्तान बड़ी वैश्विक शक्तियों के साथ अपने संबंधों को पुनर्स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान का फील्ड मार्शल बनने के बाद कट्टरपंथी सेनाध्यक्ष असीम मुनीर का पहला अमेरिकी दौरा पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना रहा क्योंकि इससे पहले किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने किसी देश के सेनाध्यक्ष को व्हाइट हाउस में लंच पर नहीं बुलाया था। वह भी ऐसे देश के सेनाध्यक्ष को जिसके तार अमेरिका और भारत समेत दुनिया के विभिन्न देशों में हुए तमाम आतंकवादी हमलों से सीधे जुड़े हुए हैं। पाकिस्तान के करीब आने के अमेरिका के कारण जो भी हों मगर यह तो साफ दिख ही रहा है कि दोनों देशों के संबंध इस समय वैश्विक सुर्खियों में हैं। यह भी देखने को मिल रहा है कि अमेरिका के बदले हुए मन से उपजे अवसरों का पूरा लाभ लेने के लिए पाकिस्तान की सरकार और सेना इस समय काफी सक्रिय नजर आ रही है। असीम मुनीर और शहबाज शरीफ को दिन-रात अरबों डॉलर के सपने ही दिख रहे हैं इसलिए वह अमेरिका की जी-हुजूरी में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान की वैश्विक छवि को नया आकार देने और वॉशिंगटन के साथ संबंधों को मजबूत करने के प्रयासों के तहत, पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल जनरल सैयद आसिम मुनीर ने अमेरिका की अपनी एक सप्ताह लंबी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई महत्वपूर्ण अमेरिकी अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठकें कीं। मुनीर ने अमेरिकी रणनीतिक विशेषज्ञों, थिंक टैंकों और अंतरराष्ट्रीय मीडिया प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा ैच्त् के अनुसार, यह दौरा एक ष्सुनियोजित कूटनीतिक प्रयासष् था, जिसमें जनरल मुनीर ने वैश्विक और क्षेत्रीय हालात पर पाकिस्तान के ष्सिद्धांत आधारित दृष्टिकोणष् को साझा किया। मुनीर के अमेरिका दौरे के दौरान यह बात भी उभर कर आई कि सेनाध्यक्ष ने अपने देश की विदेश नीति को ही पूरी तरह बदल कर रख दिया है। पाकिस्तान को हालांकि एक डर सता रहा है कि अमेरिका के ज्यादा करीब जाने से कहीं चीन ना नाराज हो जाये जोकि उसका मुश्किल समय का पुराना साथी है। इसीलिए पाकिस्तान ने तुरंत अपने एक वरिष्ठ अधिकारी को बीजिंग भी भेज दिया था ताकि चीन-पाक-बांग्लादेश गठजोड़ बना कर पुराने दोस्त को दोस्ती बरकरार रहने का विश्वास दिलाया जा सके। मुनीर के अमेरिका दौरे पर और विस्तार से नजर डालें तो एक बात यह भी उभर कर आती है कि उन्होंने हाल के भारत-पाक सैन्य टकराव के दौरान पाकिस्तानी सेना के शौर्य को खूब बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया। जनरल मुनीर ने पाकिस्तान की आतंकवाद विरोधी रणनीति को रेखांकित करते हुए ष्मारका-ए-हकष् और ष्ऑपरेशन बुंयानुम मर्सूसष् जैसे सैन्य अभियानों का हवाला दिया। पाकिस्तान की इमेज का मेकओवर करने के प्रयास में उन्होंने अपने देश की भूमिका को ष्आतंक के खिलाफ वैश्विक युद्ध में अग्रणी राष्ट्रष् बताया और इस संघर्ष में जान गंवाने वाले सैनिकों व नागरिकों की कुर्बानियों को याद किया। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, बिना भारत का नाम लिए, उन्होंने ष्कुछ क्षेत्रीय शक्तियों द्वारा आतंकवाद को हाइब्रिड युद्ध के औजार के रूप में इस्तेमाल करनेष् के खिलाफ चेतावनी दी। हम आपको बता दें कि यह एक ऐसा बयान है।

सदियों पुराना है भारत में योग का इतिहास

योग न केवल कई गंभीर बीमारियों से छुटकारा दिलाने में मददगार साबित होता है बल्कि मानसिक तनाव को खत्म कर आत्मिक शांति भी प्रदान करता है। दरअसल यह एक ऐसी साधना, ऐसी दवा है, जो बिना किसी लागत के शारीरिक एवं मानसिक बीमारियों का इलाज करने में सक्षम है।

दुनियाभर के 170 से भी ज्यादा देश प्रतिवर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाते हैं और योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लेते हैं। संयुक्त राष्ट्र ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रखे गए प्रस्ताव के जवाब में 11 दिसंबर 2014 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की स्थापना की थी और वैश्विक स्तर पर पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया था। इस वर्ष पूरी दुनिया 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' थीम के साथ 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रही है। प्रतिवर्ष यह दिवस मनाने का उद्देश्य योग को एक ऐसे आंदोलन के रूप में बढ़ावा देना है, जो व्यक्ति की तन्यकता को उन्नत करता है और समाज के प्रत्येक व्यक्ति के लिए कल्याण को बढ़ावा देता है। वैसे तो योग को विश्व स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सतत प्रयासों के चलते वर्ष 2015 में अपनाया गया था किंतु भारत में योग का इतिहास सदियों पुराना है। माना जाता रहा है कि पृथ्वी पर सभ्यता की शुरुआत से ही योग किया जा रहा है लेकिन साक्ष्यों की बात करें तो योग करीब पांच हजार वर्ष पुरानी भारतीय परंपरा है। करीब 2700 ईसा पूर्व वैदिक काल में और उसके बाद पतंजलि काल तक योग की मौजूदगी के ऐतिहासिक प्रमाण मिलते हैं।

महर्षि पतंजलि ने अभ्यास तथा वैराग्य द्वारा मन की वृत्तियों पर नियंत्रण करने को ही योग बताया था। हिंदू धर्म शास्त्रों में भी योग का व्यापक उल्लेख मिलता है। विष्णु पुराण में कहा गया है कि जीवात्मा तथा परमात्मा का पूर्णतया मिलन ही अद्वेतानुभूति योग कहलाता है। इसी प्रकार भगवद्गीता बोध में वर्णित है कि दु:ख-सुख, पाप-पुण्य, शत्रु-मित्र, शीत-उष्ण आदि द्वंदों से अतीतय मुक्त होकर सर्वत्र समभाव से व्यवहार करना ही योग है। भारत में योग को निरोगी रहने की करीब पांच हजार वर्ष पुरानी मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक पद्धति के रूप में मान्यता प्राप्त है, जो भारतीयों की जीवनचर्या का अहम हिस्सा है। सही मायनों में योग भारत के पास प्रकृति प्रदत्त ऐसी अमूल्य धरोहर है, जिसका भारत सदियों से शारीरिक और मानसिक लाभ उठाता रहा है, लेकिन कालांतर में इस दुर्लभ धरोहर की अनदेखी का ही नतीजा है कि लोग तरह-तरह की बीमारियों के मकड़जाल में जकड़ते गए। वैसे तो स्वामी विवेकानंद ने भी अपने शिकागो सम्मेलन के भाषण में सम्पूर्ण विश्व को योग का संदेश दिया था लेकिन कुछ वर्षों पूर्व योग गुरु स्वामी रामदेव द्वारा योग विद्या को घर-घर तक पहुंचाने के बाद ही इसका व्यापक प्रचार-प्रसार संभव हो सका और आमजन योग की ओर आकर्षित होते गए। देखते ही देखते कई देशों में लोगों ने इसे अपनाना शुरू किया। आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग का महत्व कई गुना बढ़ गया है।

योग न केवल कई गंभीर बीमारियों से छुटकारा दिलाने में मददगार साबित होता है बल्कि मानसिक तनाव को खत्म कर आत्मिक शांति भी प्रदान करता है। दरअसल यह एक ऐसी साधना, ऐसी दवा है, जो बिना किसी लागत के शारीरिक एवं मानसिक बीमारियों का इलाज करने में सक्षम है। यह मस्तिष्क की सक्रियता बढ़ाकर दिनभर शरीर को ऊर्जावान बनाए रखता है। यही कारण है कि अब युवा एरोबिक्स व जिम छोड़कर योग अपनाने लगे हैं। माना गया है कि योग तथा प्राणायाम से जीवनभर दवाओं से भी ठीक न होने मधुमेह रोग का भी इलाज संभव है। यह वजन घटाने में भी सहायक माना गया है। योग की इन्हीं महत्ताओं को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 सितम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा से आह्वान किया था कि दुनियाभर में प्रतिवर्ष योग दिवस मनाया जाए ताकि प्रकृति प्रदत्त भारत की इस अमूल्य पद्धति का लाभ पूरी दुनिया उठा सके। यह भारत के बेहद गर्व भरी उपलब्धि रही कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रधानमंत्री के इस प्रस्ताव के महज तीन माह के भीतर 177 देशों ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाए जाने के प्रस्ताव पर स्वीकृति की मोहर लगा दी, जिसके उपरांत संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 11 दिसम्बर 2014 को घोषणा कर दी गई कि प्रतिवर्ष 21 जून का दिन दुनियाभर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए 21 जून का ही दिन निर्धारित किए जाने की भी खास वजह रही। दरअसल यह दिन उत्तरी गोलार्ध का पूरे कैलेंडर वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है। इस दिन की तिथि को ग्रीष्म संक्रांति के साथ मेल खाने के लिए बनाया गया था, जो उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है और प्रकाश और स्वास्थ्य का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति के नजरिये से देखें तो ग्रीष्म संक्रांति के बाद सूर्य दक्षिणायन हो जाता है तथा यह समय आध्यात्मिक सिद्धियां प्राप्त करने में लाभकारी माना गया है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी योग के महत्व को स्वीकारने लगा है। इसलिए स्वस्थ जीवन जीने के लिए जरूरी है कि योग को अपनी दिनचर्या का अटूट हिस्सा बनाया जाए। बहरहाल, योग केवल एक व्यायाम नहीं है बल्कि यह शरीर और मन के साथ-साथ स्वयं को सशक्त बनाने का एक बेहतरीन तरीका है।

श्रम शक्ति के समक्ष बढ़ते तापमान का संकट

जलवायु परिवर्तन और बढ़ता तापमान एक ऐसी सच्चाई है जिसे आज चाह कर भी झुठलाया नहीं जा सकता। देखा जाए तो यह बढ़ता तापमान उन मेहनतकश लोगों का कहीं ज्यादा इम्तिहान ले रहा है जो कड़ी धूप और खुले आकाश तले पसीना बहाने को मजबूर हैं।

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन यानी आईएलओ की एक रिपोर्ट, श्कार्यस्थल पर गर्मी: सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए निहितार्थश में पाया गया है कि गर्मी एक मूक हत्यारा है जो दुनिया भर में बढ़ती संख्या में श्रमिकों के स्वास्थ्य और जीवन के लिए खतरा बन रही है। भारत मई से ही हीटवेव का सामना कर रहा है। उत्तर भारत के कई राज्यों में अधिकतम तापमान 50 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है। ऐसा लग रहा है मानो आग बरस रही हो! मानवीय गतिविधियों के कारण होने वाली ग्लोबल वार्मिंग प्रति दशक 0.26 डिग्री सेल्सियस की दर से बढ़ रही है। शहरों में जब लोग एसी के रिमोट से टेंपरेचर ऊपर-नीचे कर रहे होते हैं, उसी दौरान मजदूर कहीं खेत या किसी घर की दीवारों की ईंट उठाते हुए पसीना बहा रहे होते हैं।

इस धधकते, तपते मौसम में औद्योगिक, निर्माण से लेकर रेस्तराओं और गोदामों में काम करने वाले श्रमिकों के लिए कार्य करना आसान नहीं है। हालांकि सबसे बड़ा संकट खुले में काम करने वाले श्रमिकों के लिए है। देश की करीब 90 फीसदी श्रम शक्ति अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़ी है। ज्यादातर मामलों में इन श्रमिकों को चिलचिलाती धूप, बारिश, आंधी-तूफान के बीच खुले में काम करना पड़ता है। उनके लिए न तो पर्याप्त सुविधाएं हैं और न ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम। ऐसे में इन किसानों, श्रमिकों को हर दिन अपना और अपने परिवार का पेट भरने के लिए खतरों से दो-चार होना पड़ता है।

थिंक टैंक काउंसिल ऑन एनर्जी, एन्वायरनमेंट एंड वाटर यानी सीईईडब्ल्यू ने मई 2025 में एक स्टडी प्रकाशित की, जिससे पता चलता है कि भारत के 57 फीसदी जिले, जिनमें देश की लगभग 76 फीसदी आबादी रहती है, मौजूदा समय में भयानक गर्मी की चपेट में हैं।

साउथ एशिया और ग्रीनपीस इंडिया ने तैयार की है जो असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की गर्मी से जुड़ी चिंताओं पर रोशनी डालती है। इसमें अनुमान लगाया गया है कि तापमान में एक डिग्री सेल्सियस की वृद्धि से असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की आमदनी में 19 फीसदी की कमी आती है और भीषण गर्मी उन्हें कठिन विकल्पों में से चुनाव करने को मजबूर करती है। यानी या तो वो खुद्द को सुरक्षित करने का जतन करें या आजीविका कमाएं। इस रिपोर्ट में ये भी रेखांकित किया गया है कि गर्मी सिर्फ आजीविका पर ही असर नहीं डालती बल्कि श्रमिकों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालती है।

वन अर्थ द्वारा 2022 में 68 देशों में किए गए अध्ययन जिसका शीर्षक राइजिंग टेम्परेचर इरोड ह्यूमन स्लीप है, के अनुसार विश्व स्तर पर लोगों की नींद प्रभावित हुई, जिससे पता चला है कि गर्म तापमान की वजह से लोग कम नींद ले पाते हैं। बुजुर्ग, महिलाएं और कम आय वाले देशों के लोग इससे सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। 2099 तक, बढ़ता तापमान एक साल में प्रति व्यक्ति की 50-58 घंटे की नींद कम कर सकता है।

गर्मी की वजह से मजदूर दिन भर काम नहीं कर पा रहे हैं। लगातार बढ़ती गर्मी से लोगों का रोजगार भी प्रभावित हो रहा है। आइएलओ की 2019 की रिपोर्ट श्वर्किंग ऑन ए वार्मर प्लेनेटख्द इम्पैक्ट ऑफ हीट स्ट्रेस ऑन लेबर प्रोडक्टिविटी एंड डिसेंट वर्कश में चेतावनी दी गई है कि भारत में हीट स्ट्रेस के कारण 2030 में 5.8 प्रतिशत काम के घंटे कम होने की उम्मीद है। अपनी बड़ी आबादी के चलते देश 2030 में 3.4 करोड़ लोगों को अपनी नौकरियां खोनी पड़ सकती हैं।

विश्व बैंक की 2022 की एक और रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि 2030 तक, पूरे भारत में सालाना 16 से 20 करोड़ से ज्यादा लोगों के घातक गर्मी की चपेट में आने की संभावना है। अध्ययन बताते हैं कि भारत में 2000-2004 और 2017-2021 के बीच भीषण गर्मी के कारण होने वाली मौतों में 55 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है। गर्मी की चपेट में आने से 2021 में भारतीयों के बीच 167.2 बिलियन संभावित श्रम घंटे का नुकसान हुआ। इसकी वजह से देश की जीडीपी के लगभग 5.4 प्रतिशत के बराबर आय का नुकसान हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार, भारतीय शहर जलवायु पैटर्न में होने वाली तब्दीलियों के प्रति तेजी से संवेदनशील होते जा रहे हैं, जिससे असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों को बड़ा खतरा है।

इस संदर्भ में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का हस्तक्षेप बेहद महत्वपूर्ण है। आयोग ने राज्यों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं कि वे कमजोर लोगों, खासकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, बाहरी कामगारों, बुजुर्गों, बच्चों और बेघर लोगों की सुरक्षा के लिए तत्काल एहतियाती कदम उठाएं, जो पर्याप्त आश्रय और संसाधनों की कमी के कारण जोखिम में हैं। आयोग के अध्यक्ष जस्टिस वी. रामासुब्रह्मण्यन ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी द्वारा भीषण गर्मी और लू के कारण होने वाली मौतों की रपट का संज्ञान ले और राज्यों को निर्देश दे। जलवायु परिवर्तन और बढ़ता तापमान एक ऐसी सच्चाई है जिसे आज चाह कर भी झुठलाया नहीं जा सकता। देखा जाए तो यह बढ़ता तापमान उन मेहनतकश लोगों का कहीं ज्यादा इम्तिहान ले रहा है।

लालू के 'एमवाय' के जवाब में मोदी का 'डीएमपीए' दांव

पीएम ने सीएम नीतिश के साथ सेट कर दिया बिहार चुनाव 2025 का एजेंडा

पटना (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सिवान की भूमि से राजद के एमवाय समीकरण के जवाब में डीएमपीए के फार्मूले को सार्वजनिक करके जीत का मंत्र दे डाला। भले मुद्दा पुराना हो लेकिन नए तेवर के साथ पीएम मोदी ने बिहार की जनता के सामने उस सच को रखा, जिसे आज के नवयुवक किस्से कहानियां समझते हैं। लालटेन और पंजा की सरकार ने बिहार को अपराध, जंगलराज और भ्रष्टाचार में डबो रखा था। लेकिन डबल इंजन की सरकार ने विकास का मतलब समझाया। अब तक माई समीकरण के बल पर सत्ता का दुख भोग रहे राष्ट्रीय जनता दल के सामने पीएम मोदी ने एक बड़े जातीय समीकरण को खड़ा कर जीत की बाजी चल दी। कहा कि ये लालटेन और पंजा वाली सरकार ने डीएमपीए यानि दलित ,महादलित / पिछड़ा,अतिपिछड़ा का कोई भला नहीं किया। ये लालटेन और पंजे वालों ने गरीबी हटाओ का सिर्फ नारा दिया, लेकिन इस सरकार का गरीबों से कोई लेना देना नहीं।

- राजद के अम्बेडकर के अपमान को बनाया मुद्दा- हाल ही में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद अपने जन्मदिन पर इसलिए चर्चा में आए कि एक वीडियो में अम्बेडर की तस्वीर को उनके पैरों के पास दिखाया गया। पीएम मोदी ने इस मुद्दे को काफी जबरदस्त तरीके से उठाते कहा कि लालटेन और पंजे वाले के लिए अम्बेडकर की जगह पैरों के नीचे है। लेकिन पीएम मोदी तो बाबा साहेब अम्बेडकर को सीने में रखता है। इस मौके पर पीएम मोदी ने मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के विकास कार्यों की चर्चा करते कहा कि बिहार का मढ़ौरा से पहला रेल इंजन अफ्रीका जा रहा है। बिहार का इंजन अफ्रीका की रेलगाड़ी को चलाएगा।

मुस्लिमों पर फिर मेहरबान हुई कर्नाटक की कांग्रेस सरकार

- एक और योजना में बढ़ाया कोटा तो भड़क उठी भाजपा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस शासित कर्नाटक की सिद्धरमैया सरकार ने मुस्लिमों पर फिर मेहरबानी दिखाई है। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने राज्य में विभिन्न आवासीय योजनाओं के तहत अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षण 10 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी करने का पैसला किया है। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए राज्य के कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल ने कहा, ''राज्य भर में शहरी और

ग्रामीण, दोनों क्षेत्रों में आवास विभाग द्वारा लागू की जा रही विभिन्न आवास योजनाओं के तहत अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षण 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने का निर्णय लिया गया है।'' उन्होंने कहा कि राज्य में अल्पसंख्यकों में बेघरों की बड़ी संख्या को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। कांग्रेस सरकार द्वारा यह फैसला सरकारी सिविल ठेकों में 4 फीसदी मुस्लिम आरक्षण संबंधी विधेयक पारित करने के कुछ सप्ताह बाद लिया गया है।

अगले सप्ताह चीन जा रहे हैं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

- गलवान झड़प के बाद पहला दौरा, कई मायनों में खास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अगले सप्ताह 25 से 27 जून तक चीन के किंगदाओ शहर में आयोजित होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए चीन की यात्रा करेंगे। यह यात्रा 2020 के गलवान संघर्ष के बाद किसी भारतीय रक्षा मंत्री की चीन की पहली आधिकारिक यात्रा होगी। एससीओ की इस

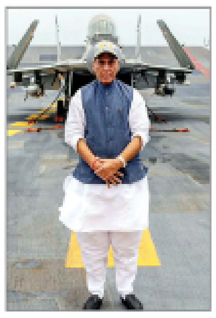

बैठक में भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, ईरान, बेलारूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान सहित 10 देशों के रक्षा मंत्री हिस्सा लेंगे। इस दौरान क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग, आतंकवाद विरोधी उपायों और कनेक्टिविटी बढ़ाने जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। राजनाथ सिंह इस बैठक के दौरान अपने चीनी समकक्ष एडमिरल डोंग जुन से बात कर सकते हैं।

भारत-चीन संबंधों में सुधार के संकेत

यह यात्रा भारत और चीन के बीच संबंधों को सामान्य करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अक्टूबर 2024 में रूस के कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद दोनों देशों ने कई विश्वास-बहाली के उपाय शुरू किए हैं। इनमें कैलाश मानसरोवर यात्रा की बहाली, नदियों के जल डेटा साझा करना, सीधी हवाई उड़ानों की बहाली और वीजा प्रक्रिया को आसान करना शामिल है। भारत ने चीन की एससीओ अध्यक्षता को भी समर्थन दिया है।

इजराइल में माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के पास गिरी ईरानी मिसाइल

6 लोग घायल,कई गाड़ियों में लगी आग,इजराइल का पलटवार

तेहरान/तेल अवीव (एजेंसी)। ईरान ने इजराइल के बीर्शेबा शहर पर शुक्रवार सुबह बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक मिसाइल माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के नजदीक गिरी। इससे कई कारों में आग लग गई। आस-पास के घरों को भी नुकसान पहुंचा। इसमें 6 लोग घायल हो गए हैं। यह लगातार दूसरा दिन है, जब बीर्शेबा शहर पर मिसाइल हमला हुआ है। इससे पहले गुरुवार को भी ईरान ने बीर्शेबा के एक अस्पताल पर मिसाइल दागी थी,

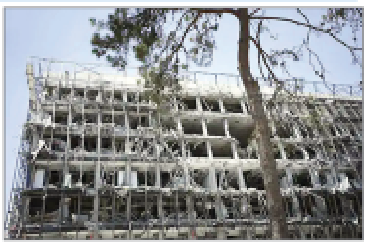

जिसमें 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका का मानना है कि ईरान अब परमाणु हथियार बनाने की पूरी क्षमता रखता है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने गुरुवार को कहा कि अगर ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई आदेश दे दें, तो ईरान कुछ ही हफ्तों में परमाणु बम बना सकता है। लेविट ने कहा कि ईरान के पास परमाणु हथियार बनाने के लिए जरूरी हर चीज मौजूद है। अब बस उन्हें अपने नेता के हां कहने भर की देर है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर ईरान ऐसा करता है, तो इससे दुनिया की सुरक्षा को खतरा होगा।

जंग के कारण 8,000 से ज्यादा इजराइली बेघर हुए

इजराइल और ईरान के बीच 8 दिनों से जारी जंग के कारण अब तक 8,000 से ज्यादा इजराइली बेघर हो गए हैं। येदिओथ अहरोनोथ अखबार ने इजराइली संपत्ति कर मुआवजा कोष का हवाला देते हुए बताया कि ईरानी हमले से इमारतों या वाहनों को हुए नुकसान के कारण मुआवजे के लिए करीब 30,000 एप्लिकेशन आए हैं।

सीएम योगी ने कार से देखा गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे

- आजमगढ़ में बोले-बेटियों की सुरक्षा पर सेंध लगाई तो यमराज का टिकट पक्का

आजमगढ़/गोरखपुर (एजेंसी)। सीएम योगी ने शुक्रवार को आजमगढ़ से गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया। एक्सप्रेस-वे के बीच खड़े होकर फोटो खिंचवाई। आजमगढ़ के सलारपुर में जनसभा को संबोधित किया। फिर 91.35 किमी लंबे एक्सप्रेस-वे का कार से निरीक्षण करते हुए गोरखपुर पहुंचे। सीएम ने कहा- जो बेटियों और व्यापारियों की

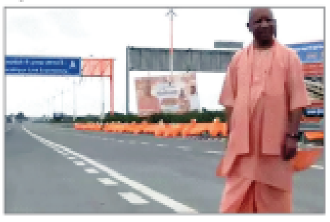

सुरक्षा में सेंध लगाएगा, उसके लिए यमराज का टिकट रिजर्व करवा देंगे। सीएम ने कहा- अयोध्या के बाद अब मथुरा-वृंदावन की बारी है। हमारा काम वहां भी शुरू हो चुका है। हम विरासत का संरक्षण भी करेंगे और विकास भी। 2017 के पहले भर्ती आने पर चाचा और भतीजा वसूली करने के लिए निकल जाते थे। यानि वहां पर भी भेद होता था।

हवाई अड्डों के पास से हटाए जाएंगे सभी अवरोध

सीमा से अधिक ऊंचाई वाले पेड़ और भवनों की आएगी शामत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में एअर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त होने के एक सप्ताह बाद नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने विमान सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाली संरचनाओं पर नियंत्रण को और कड़ा करने के लिए नए मसौदा नियम जारी किया है। यह मसौदा 18 जून को जारी किया गया था और आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित होने के बाद यह लागू हो जाएगा।

नया नियम लागू होने के बाद हवाई अड्डों के पास से ऊंचे भवन और पेड़ जैसे अवरोध हटाए जाएंगे या उनकी ऊंचाई कम कर दी जाएगी। इन नियमों का उद्देश्य अधिकारियों को हवाई अड्डा क्षेत्रों में सीमा से अधिक ऊंचाई वाले पेड़ों और भवनों के

खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने की शक्ति देना है। इसे उड़ान पथ में अवरोध के कारण होने वाली संभावित दुर्घटना को रोकने के लिए एक कदम के रूप में देखा जा रहा है। मसौदे के तहत निर्धारित ऊंचाई सीमा का उल्लंघन करने वाली किसी भी संरचना को हवाई अड्डे के प्रभारी अधिकारी द्वारा नोटिस दिया जा सकता है।

इस्लामिक देशों के हैंडलर संभाल रहे हैं कांग्रेस का सोशल मीडिया

असम सीएम ने कहा-5,000 से अधिक सोशल मीडिया अकाउंट सक्रिय

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को एक बड़ा दावा करते हुए कहा कि असम कांग्रेस के पक्ष में 5,000 से अधिक सोशल मीडिया अकाउंट अचानक सक्रिय हो गए हैं, जिनमें से अधिकतर इस्लामिक देशों से ऑपरेट हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला बताते हुए कहा कि केंद्र सरकार को इस बारे में जानकारी दे दी गई है। मुख्यमंत्री ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि इन

सोशल मीडिया अकाउंट्स की उत्पत्ति 47 अलग-अलग देशों से हुई है, जिनमें सबसे ज्यादा अकाउंट बांग्लादेश और पाकिस्तान से हैं। ये अकाउंट पिछले एक महीने से असम कांग्रेस की गतिविधियों और एक विशेष कांग्रेस नेता पर केंद्रित हैं। शर्मा ने आरोप लगाया कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए ये अकाउंट्स राज्य के राजनीतिक माहौल को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं।

पक्षी के टकराने से रद्द हुई एयर इंडिया की फ्लाइट, पुणे में सुरक्षित लैंडिंग

* शुक्रवार को कुल 9 फ्लाइट्स हुईं कैंसिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया के विमान को फिर परेशानी का सामना करना पड़ा है। दिल्ली से पुणे के लिए रवाना हुआ विमान एक पक्षी से टकरा गया। इसके बाद एयरलाइन को इसकी वापसी की यात्रा रद्द करनी पड़ी। एयरलाइंस ने कहा कि विमान पुणे में सुरक्षित लैंड हुआ। इसके बाद ही पक्षी के टकराने की बात पता चली। एयरलाइंस ने बताया कि 20 जून को पुणे से दिल्ली के लिए उड़ी फ्लाइट्स को पक्षी के टकराने के कारण रद्द किया गया है। आने वाली उड़ान के पुणे में सुरक्षित उतरने के बाद पक्षी के टकराने का पता चला। कंपनी ने कहा कि वे यात्रियों को ठहराने की सुविधा प्रदान करने सहित समस्त इंतजाम कर रही है। एयर इंडिया ने कहाकि रद्दीकरण या पुनर्निर्धारण पर यात्रियों को राशि वापस करने की पेशकश भी की जा रही है, वहीं यात्रियों को दिल्ली ले जाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। बता दें कि इसके पहले एयर इंडिया बताया कि 21 जून से 15 जुलाई के बीच 16 अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर उड़ानें कम होंगी। इसके अलावा इस दौरान तीन विदेशी गंतव्यों पर उड़ानें निलंबित रहेंगी। इन फ्लाइट्स में विभिन्न देशों की उड़ानों के साथ-साथ कुछ डोमेस्टिक फ्लाइट्स भी प्रभावित हुई हैं। इससे यात्रियों की परेशानी भी बढ़ी है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने कहाकि इसका उद्देश्य कार्यक्रम स्थिरता बहाल करना और यात्रियों को अंतिम समय में होने वाली असुविधा को कम करना है।

पाक ने किया ट्रंप के दावों को खारिज बोला- भारत को हमला नहीं करने के लिए सऊदी प्रिंस ने मनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार दावा कर रहे हैं कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर करवाया। हालांकि भारत ने हर बार उनके दावों को सिरे से खारिज कर दिया। ट्रंप के दावों के उलट पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री इसहाक डार ने बताया कि हमले के तुरंत बाद सऊदी प्रिंस फैसल बिन सलमान ने उनसे संपर्क किया और इच्छा जताई कि वे भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से बात कर भारत-पाक तनाव को कम करने में मदद करें। डार ने कहा, सऊदी प्रिंस फैसल बिन सलमान ने फोन करके पूछा कि क्या वह जयशंकर को बता सकते हैं कि पाकिस्तान रुकने के लिए तैयार है।

पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री इसहाक डार ने पहली बार सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत रावलपिंडी स्थित नूर खान एयरबेस और शोरकोट एयरबेस पर एयरस्ट्राइक की थी। यह हमला 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में था जिसमें 26 आम नागरिक मारे गए थे। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी हाल ही में स्वीकार किया कि भारत ने ब्रह्मोस मिसाइलों से पाकिस्तान के कई क्षेत्रों पर हमला किया, जिनमें रावलपिंडी का एयरपोर्ट भी शामिल है। उन्होंने कहा, भारत ने फिर से मिसाइल हमले किए और हमारे विभिन्न प्रांतों, खासकर रावलपिंडी एयरपोर्ट को निशाना बनाया। उन्होंने यह भी कबूल किया कि 10 मई को तड़के 4:30 बजे पाकिस्तान की जवाबी कार्रवाई की योजना थी, लेकिन 9-10 मई की रात भारत के दूसरे दौर के हमले ने उस योजना को विफल कर दिया।

भारत सरकार ने अपने ऑपरेशन को सटीक, मापी गई और गैर-उत्तेजक कार्रवाई करार दिया था। भारत का दावा था कि उसने केवल आतंकी ढांचों और उन ठिकानों को निशाना बनाया, जो सीमा पार से हो रहे हमलों की योजना और समर्थन में शामिल थे। ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत 7 मई को हुई, जिसमें भारत ने ड्रोन और मिसाइल हमलों के जरिए पाकिस्तान व पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर (पीओके) में स्थित आतंकी ठिकानों और सैन्य बेसों को निशाना बनाया। पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारत के सैन्य ठिकानों पर हमलों की कोशिश की, लेकिन भारत ने और भी प्रभावी जवाबी कार्रवाई की। लगातार चार दिनों तक चले इस टकराव के बाद 10 मई को दोनों देशों के बीच युद्धविराम पर एक अनौपचारिक समझौता हुआ।

राहुल गांधी ने शाह के बयान पर किया पलटवार और कहा-

भाजपा-आरएसएस तो चाहते ही नहीं कि भारत के गरीब का बच्चा अंग्रेजी सीखे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अंग्रेजी भाषा के खिलाफ दिए गए बयान पर पलटवार करते हुए सोशल मीडिया पर एक तीखी पोस्ट की है। राहुल ने कहा है, कि बीजेपी और आरएसएस के लोग नहीं चाहते कि भारत का गरीब बच्चा अंग्रेजी सीखे, क्योंकि वो नहीं चाहते कि वो आगे बढ़ें और बराबरी करें।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, है, कि 'अंग्रेजी बांध नहीं, पुल है और अंग्रेजी शर्म नहीं बल्कि शक्ति है। अंग्रेजी जंजीर नहीं, जंजीरें तोड़ने का औजार है। बीजेपी-आरएसएस नहीं चाहते कि भारत का गरीब बच्चा भी अंग्रेजी सीखे क्योंकि वो नहीं चाहते कि आप सवाल पूछें और आगे बढ़ें, बराबरी करें। इसके साथ ही उन्होंने अपनी पोस्ट में आगे कहा, आज की दुनिया में अंग्रेजी उतनी ही जरूरी है जितनी कि आपकी मातृभाषा, क्योंकि यही रोजगार दिलाएगी और आत्मविश्वास बढ़ाएगी। भारत की हर भाषा में आत्मा है, संस्कृति है और ज्ञान है। हमें उन्हें संजोना है और साथ ही हर बच्चे को अंग्रेजी सिखानी है। यही रास्ता है एक ऐसे भारत का, जो दुनिया से मुकाबला करे, जो हर बच्चे को बराबरी का अवसर दे।

क्या कहा था शाह ने

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने एक बयान में कहा था, कि इस देश में जो लोग अंग्रेजी बोलते हैं, उन्हें जल्द ही शर्म महसूस होगी, ऐसे समाज का निर्माण अब दूर नहीं है। उन्होंने इस आशय का बयान गुरुवार को नई दिल्ली में पूर्व आइएएस आशुतोष अग्निहोत्री की पुस्तक मैं बूंद स्वयं, खुद सागर हूं के विमोचन कार्यक्रम में दिया था।

योग सिर्फ एक दिन का नहीं, बल्कि जीवनभर का अभ्यास : महापौर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम ने शनिवार को डॉ. अंबेडकर स्टेडियम में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग कार्यक्रम का आयोजन किया। योग कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना और सूर्य नमस्कार से हुई। इस अवसर पर दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह, स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा, मध्य जोन अध्यक्ष योगिता सिंह और निगमायुक्त अश्विनी कुमार उपस्थित थे।

महापौर राजा इकबाल सिंह ने कहा कि योग हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। योग सिर्फ एक दिन का नहीं, बल्कि जीवनभर का अभ्यास है। उन्होंने कहा कि यह भारतीय संस्कृति की अमूल्य विरासत है जो शरीर, मन और आत्मा में संतुलन लाती है। महापौर ने कहा कि लोग दैनिक जीवन में योग अभ्यास को शामिल करके अधिक कुशलता और ऊर्जा के साथ काम कर सकते हैं। उन्होंने योग और स्वस्थ जीवन के संदेश को आम जनता तक पहुंचाने में दिल्ली नगर निगम की पहल की सराहना की।

नगर निगम स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस याद दिलाता है कि स्वस्थ जीवनशैली के लिए एक सरल, प्रभावी और वैज्ञानिक मार्ग हमारी सांस्कृतिक जड़ों में निहित है। उन्होंने कहा कि निगम द्वारा आयोजित इस योग कार्यक्रम में भाग लेकर मुझे गर्व महसूस हो रहा है। शर्मा ने सभी नागरिकों से योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने और एक स्वस्थ भारत में योगदान देने की अपील की।

निगमायुक्त अश्विनी कुमार ने निगम अधिकारियों और कर्मचारियों से अपने जीवन में योग को अपनाने और नियमित रूप से इसका अभ्यास करके अपने शरीर और मन को स्वस्थ बनाने का आग्रह किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में दिल्ली नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और उनके परिवार के सदस्य मौजूद थे। उपस्थित सदस्यों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए योग का अभ्यास किया। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का विषय एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग है। जो इस बात पर जोर देता है कि जिस तरह पृथ्वी एक है। उसी तरह हमारा स्वास्थ्य भी देखभाल और संतुलन की मांग करता है।

टेस्ट सीरीज जीतना आईपीएल से अधिक महत्वपूर्व : शुभमन

लीड्स (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले कहा कि टेस्ट सीरीज जीतना आईपीएल खिताब जीतने से कहीं बड़ी उपलब्धि है। इसलिए उनके टीम का लक्ष्य अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल करना है। उन्होंने कहा, 'टेस्ट सीरीज में जीत के लिए अधिक अवसर नहीं मिलते हैं क्योंकि अधिक दौरे नहीं होते हैं। वहीं आईपीएल हर साल होता है और जीत हासिल करने का अवसर रहता है , इसलिए टेस्ट सीरीज सबसे महित्वपूर्व है और वह भी इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका में हो तो उससे बड़ा कुछ नहीं हो सकता। उन्हें इंग्लैंड में लाल गेंद से खेलने का अनुभवी अधिक नहीं है पर वह चिन्तित नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'कई लोग कहते हैं कि आपकी टीम के पास उतना अनुभव नहीं है पर अच्छी बात यह है कि हम पर अपेक्षाओं का उतना बोझ नहीं होगा क्योंकि अधिकांश खिलाड़ी इंग्लैंड में खेले नहीं हैं। इससे वह निडर होकर खेलेंगे। गिल ने कहा, 'पिछले पांच से दस साल में हमारे सीनियर्स से हमें जो हासिल हुआ है वह यही है कि हम कहीं भी जीत सकते हैं। हम उसी आत्मविश्वास के साथ खेलने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि उनका और मुख्य कोच गौतम गंभीर का मानना है कि कोहली के संन्यास के बाद उन्हें ही चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। कप्तान ने कहा है कि वह सुरक्षा का माहौल बनाना चाहते हैं जिससे खिलाड़ी बिना किसी दबाव के अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने कहा, 'अगर हम ऐसा करने में सफल रहे तो टेस्ट सीरीजऔर डब्ल्यूटीसी चक्र में हम सफल रहेंगे। उन्होंने का कि खिलाड़ियों से सीधे संवाद की जरूरत है कि जिससे पता चले कि क्या चाहते हैं । उन्हें अपना स्वाभाविक खेल दिखाने की आजादी मिलनी चाहिए। गिल ने यह भी कहा कि आईपीएल के दौरान उन्होंने इंग्लैंड दौरे की तैयारी के लिए विराट और रोहित से सलाह ली थी। उन्होंने कहा, 'मैं आईपीएल के दौरान दोनों से मिला और उन्होंने इंग्लैंड के अपने अनुभवों के बारे में बताया था।

हॉकी खिलाड़ियों को पहली बार टॉप्स के तहत 25000 रू. प्रतिमाह अतिरिक्त भत्ता मिलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी को आगामी महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों से पहले प्रोत्साहन देने की कवायद में खेल मंत्रालय ने पहली बार हॉकी खिलाड़ियों को भी 25000 रूपये प्रतिमाह अतिरिक्त भत्ता (आउट आफ पॉकेट अलाउंस) देने को मंजूरी दी है। मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) की बृहस्पतिवार को हुई 156वीं बैठक में 'टारगेट ओलंपिक पोडियम' (टॉप्स) योजना के तहत 80 हॉकी खिलाड़ियों को यह भत्ता देने का फैसला लिया गया। खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को यहां मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में कहा ,''हॉकी इंडिया की ओर से बार बार यह अनुरोध आ रहा था जिसे मंजूरी दे दी गई है। इसके तहत 80 हॉकी खिलाड़ियों (40 पुरूष और 40 महिला) को प्रतिमाह 25000 रूपये 'आउट आफ पॉकेट' भत्ता (ओपीए) दिया जायेगा जो टॉप्स योजना के तहत खिलाड़ियों को मिलता है।'' उन्होंने कहा ,' हमारा लक्ष्य यही है कि खिलाड़ी प्रदर्शन पर फोकस करे और देश के लिये पदक जीतें।'' टॉप्स के तहत कोर समूह के खिलाड़ियों को 50000 रूपये और डेवलपमेंटल खिलाड़ियों को 25000 रूपये प्रतिमाह ओपीए दिया जाता है। वहीं टारगेट एशियन गेम्स ग्रुप (टीएजीजी) में शामिल खिलाड़ियों को 50000 रूपये प्रतिमाह ओपीए मिलता है। इसके लिये हॉकी इंडिया हर महीने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) को 80 खिलाड़ियों की सूची सौंपेगा जिसके मायने है कि इसमें बदलाव की भी गुंजाइश होगी। इसमें मूल रूप से सीनियर कोर ग्रुप में शामिल खिलाड़ी और जूनियर खिलाड़ी भी होंगे जो नियमित रूप से राष्ट्रीय टीमों का हिस्सा हैं। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि इससे खिलाड़ियों का आगामी महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों से पहले मनोबल और बढेगा। टिर्की ने से कहा ,'' हम मंत्रालय को धन्यवाद देना चाहते हैं जिसने यह अहम फैसला लिया। हमारे खिलाड़ियों को विश्व कप, ओलंपिक और एशियाई खेल जैसे अहम टूर्नामेंट खेलने हैं और उनका मनोबल इस पहल से काफी बढेगा।'' पिछले कुछ वर्षों में भारतीय हॉकी का ग्राफ ऊपर की ओर बढा है। तोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत ने 41 साल बाद कांस्य पदक जीता जबकि महिला टीम ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए चौथे स्थान पर रही थी। भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक बरकरार रखा। वहीं ग्वांग्झू एशियाई खेलों में भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने स्वर्ण पदक जीता था। हॉकी खिलाड़ियों को अपने नियोक्ताओं से वेतन मिलता है जबकि क्रिकेट की तर्ज पर ग्रेड के आधार पर अनुबंध व्यवस्था शुरू करने पर हॉकी इंडिया पिछले कुछ साल से विचार कर रहा है। इसके अलावा ओलंपिक और एशियाई खेलों समेत अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन करने पर पुरस्कार राशि मिलती है।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करेंगे यशस्वी : रहाणे

मुंबई । अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने कहा है कि यशस्वी जायसवाल जानते हैं कि सलामी बल्लेबाज की भूमिका किस प्रकार निभाई जाती है। ऐसे में वह इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। रहाणे ने कहा कि डेब्यू के बाद से ही इस युवा बल्लेबाज ने अपने को साबित किया है। रहाणे ने कहा, ' व्यक्तिगत रूप से मैं यशस्वी को अच्छा प्रदर्शन करते हुए देखने के लिए उत्सुक हू क्योंकि इंग्लैंड में पारी की शुरुआत करना कठिन होता है। उन्होंने कहा, ' उसके पास अच्छा कौशल है। वह एक छोर पर विकेट बचाकर रख सकता है और जरूरत पड़ने पर आक्रामक बल्लेबाजी भी कर सकता है। इसलिए मैं इंग्लैंड में उसके प्रदर्शन को देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हू। रहाणे ने भारत की तरफ से अपना आखिरी मैच दो साल पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था, जबकि यशस्वी जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज में टेस्ट क्रिकेट में शानदार पदार्पण करने के बाद से टीम के पहली पसंद के सलामी बल्लेबाज रहे हैं।

गिलक्रिस्ट बोले, यशस्वी है भविष्य का सितारा

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज विकेटकीपर रहे एडम गिलक्रिस्ट ने भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा करते हुए हुए भविष्य का सितारा बताया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट में यशस्वी के शतक और मिचेल स्टार्क के साथ उनकी झड़प को लेकर गिलक्रिस्ट ने कहा कि इस प्रकार की बातें होती रहती हैं। वह घटना बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट की थी थी। जिसमें यशस्वी ने स्टार्क की गेंद पर चौका लगाकर उनपर टिप्पणी कर दी थी, तुम बहुत धीमी गेंद फेंक रहे। उस टेस्ट में दोनों के बीच हल्की-फुल्की बहस हुई थी। यशस्वी ने उस पारी में शतक लगाया था। वहीं अगले ही टेस्ट में स्टार्क ने जायसवाल को शून्य पर ही पेवेलियन भेजे दिया था। गिलक्रिस्ट ने पर्थ टेस्ट और यशस्वी को लेकर कहा कहा, यह उसका (जायसवाल) दिन था। यशस्वी ने ऑस्ट्रेलिया की तेज और उछाल भरी पिचों पर शानदार प्रदर्शन किया था। वह भारत की ओर से सीरीज में सबसे अधिक रन बनान वाले खिलाड़ी रहे थे। उन्होंने 5 टेस्ट मैच की सीरीज में 391 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने पर्थ में 161 रन की शानदार शतकीय पारी खेली थी। सीरीज में 2 अर्धशतक भी उनके नाम थे। यशस्वी पिछले 4 सीरीज में 3 बार भारत के लिए शीर्ष स्कोरर रहे हैं।

सात गोल्ड का मौका छूटा, पांच फाइनल में हारे भारतीय तीरंदाज, 9 पदकों के साथ करना पड़ा संतोष

सिंगापुर (एजेंसी)। भारत के जूनियर तीरंदाजों के पास एशिया कप के दूसरे चरण में सात स्वर्ण पदक जीतने का मौका था लेकिन पांच फाइनल में हारने के कारण उन्हें अधिकतर स्पर्धा में रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इस तरह से भारत ने प्रतियोगिता में दो स्वर्ण, छह रजत और एक कांस्य सहित कुल नौ पदक जीतकर अपने अभियान का अंत किया। रिकर्व और कम्पाउंड स्पर्धाओं के 10 में से सात फाइनल में पहुंचने के बावजूद भारतीय तीरंदाज केवल दो बार पोडियम पर शीर्ष पर रहे।

भारतीय खिलाड़ी जिस तरह से अपने से कम रैंकिंग वाले खिलाड़ियों से हारे वह वास्तव में चिंताजनक है। हमेशा की तरह ओलंपिक स्पर्धा के रिकर्व वर्ग में नतीजे विशेष रूप से चिंताजनक रहे जिसमें भारत एक भी स्वर्ण जीतने में असफल रहा। असल में टीम स्पर्धाओं में दो रजत पदकों के अलावा रिकर्व तीरंदाज खाली हाथ लौटे। क्वालिफिकेशन राउंड के बाद शीर्ष वरीयता प्राप्त पुरुष टीम फाइनल में जापान के खिलाफ आसानी से हार गई। विष्णु चौधरी, पारस हुड्डा और जुयेल सरकार तीन में से दो सेटों में 50 का आंकड़ा छूने में असफल रहे और सीधे सेटों में 6-0 से हार गए।

रिकर्व मिश्रित टीम फाइनल में भी यही कहानी रही। चौधरी और वैष्णवी पवार की चौथी वरीयता प्राप्त टीम इंडोनेशिया के खिलाफ पूरे मुकाबले में गलतियां करती रही। यदि रिकर्व वर्ग के परिणाम निराशाजनक थे, तो कम्पाउंड वर्ग ने कुछ राहत प्रदान की। भारत ने अपने दोनों स्वर्ण पदक इस वर्ग में जीते। शीर्ष वरीयता प्राप्त कुशल दलाल ने पुरुष व्यक्तिगत फाइनल में 22वीं वरीयता प्राप्त ऑस्ट्रेलिया के जोशुआ मैनन को 149-143 से हराकर अपनी प्रतिष्ठा को सही साबित किया। भारत को इस स्पर्धा में कांस्य पदक भी मिला, जिसमें 10वें वरीय सचिन चेची ने चौथे वरीय हिमू बछाड़ को कड़े मुकाबले में 148-146 से हराया।

महिलाओं की स्पर्धा में स्वर्ण पदक सुनिश्चित था क्योंकि इसके फाइनल में मुकाबला जो भारतीय खिलाड़ियों के बीच था जिसमें दूसरी वरीयता प्राप्त तेजल साल्वे ने पहली वरीय शानमुखी नागा साई बुड्डे को 146-144 से हराया। शीर्ष वरीयता प्राप्त पुरुष कम्पाउंड टीम को तीसरी वरीयता प्राप्त कजाकिस्तान ने 231-235 से हरा दिया। महिलाओं की कम्पाउंड टीम 232-232 से बराबरी पर रहने के बाद निचली रैंकिंग वाली मलेशिया से शूट-ऑफ में हार गई। शानमुखी और दलाल की मिश्रित कंपाउंड टीम को कजाकिस्तान से शूट-ऑफ में हार का सामना करना पड़ा।

हेडन और स्मिथ बोले, भारतीय टीम के लिए संघर्षपूर्ण रहेगी सीरीज

लीड्स । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ का मानना है कि अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा की कमी भारतीय टीम को खलेगी। इन दोनो का ही मानना है कि नये बल्लेबाजों के लिए इंग्लैंड में तेज गेंदबाजों का सामना करना आसान नहीं रहेगा। हेडन ने कहा, ' मुझे लगता है कि भारतीय टीम को संघर्ष करना पड़ेगा। शुभमन एक युवा कप्तान हैं जिनकी टीम पूरी तरह से विपरीत माहौल में तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल और उछाल वाली पिचों पर खेल रही है। यह एक असल चुनौती होगी। भारतीय टीम के लिए यह दौरा एक प्रकार से बेहद कठिन परीक्षा होगा। वह इसलिए क्योंकि जब भी कोई टीम इंग्लैंड के दौरे पर आती है तो उसके लिए हालात अलग होते हैं।

8 साल बाद टेस्ट में वापसी कर रहे करुण नायर ने खोला राज, बताया किस चीज ने रखा प्रेरित

लीड्स (एजेंसी)। भारतीय टीम में वापसी करने वाले करुण नायर शुक्रवार को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत के साथ मैदान पर उतरकर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेताब हैं। भारतीय टेस्ट टीम में आठ साल के लम्बे अंतराल के बाद वापसी करते हुए नायर ने खुलासा किया कि देश के लिए फिर से खेलने के उनके दृढ़ निश्चय ने उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में नायर ने कहा, 'जब मैं उठा तो मेरा पहला विचार यह था कि मैं टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहता हूं, मैं फिर से भारत के लिए खेलना चाहता हूं। शायद यही बात मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रही और मेरी भूख बनी रही, हर दिन प्रशिक्षण के लिए जाने और हर दिन अभ्यास करने की प्रेरणा शक्ति। उस विश्वास को कभी नहीं खोना और उस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए तत्पर रहना कुछ ऐसा था जिसने मेरी मदद की। इस जर्सी को पहनकर और अपने देश का प्रतिनिधित्व करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं। उस विश्वास को कभी न खोना और उस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए दृढ़ संकल्प होना कुछ ऐसा था जिसने मेरी मदद की। इस जर्सी को पहनकर और अपने देश का प्रतिनिधित्व करके गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।'

उन्होंने कहा, 'जब मैंने पहली बार सभी को देखा, तब मुझे वास्तव में लगा कि मैं आखिरकार टीम में हूं। तब तक यह मेरे लिए प्रतीक्षा करने जैसा था कि मैं फिर से ऐसा महसूस करूं कि मैंने इसे हासिल कर लिया है। कुछ साल हो गए हैं, मैं हमेशा सभी को टीवी पर देखता था, अब फिर से इस ड्रेसिंग रूम में वापस आना अद्भुत लगता है। आप जानते हैं, उस पहले सत्र को हासिल करना राहत की बात थी, वह अवसर पाकर आभारी हूं।'

33 वर्षीय खिलाड़ी पहले से ही लय में है और इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो अनौपचारिक टेस्ट के दौरान भारत ए की ओर से बेहतरीन बल्लेबाजी की थी। उन्होंने कैंटरबरी में पहले मैच में दोहरा शतक लगाया। नायर ने कहा, 'जीवन एक पूर्ण चक्र में आ गया है। मैं इंग्लैंड में टीम से बाहर हो गया था और अब मैं इंग्लैंड में टीम में वापस आ रहा हूं, इसलिए काफी समय हो गया है और मैं इसे अपनाने की कोशिश कर रहा हूं।'

नायर ने केएल राहुल और प्रसिद्ध कृष्णा के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने को लेकर भी अपनी खुशी व्यक्त की, उन्होंने कहा कि तीनों बचपन से एक साथ खेल रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं इसे बहुत सरल रखने की कोशिश करता हूं, हमेशा सकारात्मक के बारे में सोचता हूं, कुछ लक्ष्य दिमाग में रखता हूं, चीजों की कल्पना करता हूं और जो आप कल्पना करते हैं उस पर वास्तविक विश्वास रखता हूं। राहुल और प्रसिद्ध के साथ खेलना भी बहुत सुकून देने वाला कारक है। हमने इतने सालों से क्रिकेट खेला है जब शायद हम छोटे बच्चे थे और साथ-साथ बड़े हुए थे।'

नायर ने शानदार घरेलू सीजन के दम पर वापसी की है, उन्होंने रणजी ट्रॉफी जीतने वाले अभियान में विदर्भ के लिए 53.93 की औसत से 863 रन बनाए हैं। इससे पहले उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में सिर्फ 8 पारियों में पांच शतक लगाए जिसमें उनका औसत 389.50 था।

साउथ एक्ट्रेस मालविका ने मुंबई को बताया असुरक्षित

साउथ एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने कुछ समय पहले ही मुंबई में महिला सुरक्षा पर बात की थी। उन्होंने कहा था कि कॉलेज के दिनों में वो लोकल से सफर करती थीं, तब सुरक्षा महज किस्मत की बात हुआ करती थी। मालविका का बयान सामने आने के बाद मुंबई पुलिस ने इस खेद व्यक्त करते हुए पर प्रतिक्रिया दी है। मालविका ने कुछ समय पहले ही हॉटरफलाई को दिए इंटरव्यू में कहा था, आज मेरे पास कार और ड्राइवर है, ऐसे में अगर कोई मुझसे पूछे कि क्या मुंबई सेफ है, तो मैं शायद हां कहूं, लेकिन जब मैं कॉलेज में थी, तब मेरा मानना बिल्कुल अलग था। मैं लोकल ट्रेन और पब्लिक बस में सफर करती थी। उस समय मुझे ये सुरक्षित नहीं लगता था। ये बस किस्मत की बात हुआ करती थी। आपको बस उम्मीद करनी पड़ती थी कि आपका सफर बिना किसी घटना के कट जाए।

मालविका का बयान आने के बाद मुंबई पुलिस ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से इसका जवाब दिया है। पोस्ट में लिखा गया है, मिस मालविका, हमारे सामने वो ऑनलाइन पोर्टल आया है, जहां आपने अपना अनुभव शेयर कर, शहर में महिला सुरक्षा पर चिंता जाहिर की। हम सोच सकते हैं कि इस तरह के एक्सपीरियंस चौंकाने वाले होते हैं और लंबा असर छोड़ते हैं। इसलिए हमें ये दोहराना चाहिए कि दिन का कोई भी समय हो या शहर में कोई भी जगह हो, प्लीज 112/100 पर हमसे संपर्क करें और हम जल्द से जल्द सहायता देंगे। रिपोर्ट न करने से अपराधी का हौसला बढ़ता है। आगे लिखा है, मुंबई शहर हमेशा से महिलाओं के लिए सुरक्षित रहा है और हम इसे बेहतर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। रिपोर्ट किए जाने के बाद अपराधी से उचित और कानूनी तरीके से निपटा जाएगा। कृपया इस बात को लोगों तक पहुंचाने के लिए अपनी अच्छी छवि का उपयोग करें। ये इस तरह के मामलों को हल करने में मदद कर सकता है, जो असामान्य हैं और जिन्हें सामान्यीकृत नहीं किया जा सकता है। बताते चलें कि मालविका मोहनन साउथ सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस हैं। वो मास्टर, युद्रा जैसी बेहतरीन फिल्मों का हिस्सा रही हैं। जल्द ही वो प्रभास के साथ फिल्म द राजा साहब में नजर आएंगी।

मैं खुद को एक ग्लोबल एंटरटेनर के रूप में स्थापित करना चाहती हूं

उर्वशी रौतेला बॉलीवुड के साथ-साथ साउथ में भी एक्टिव है। उनकी पिछली फिल्म डाकू महाराज इस साल की तीसरी हाइएस्ट ग्रॉसिंग तेलुगु फिल्म है। वहीं वह कान्स में भी अपने स्टाइल से सुर्खियों में रहीं।

डाकू महाराज इतनी सफल रही। इस फिल्म के बारे में आप क्या सोचती हैं?

डाकू महाराज की सफलता से बहुत खुश हूं। यह एक ऐसी फिल्म है, जिसमें एक्शन, इमोशन और एक शानदार कहानी का बेहतरीन मेल है। यह परोपकार, विश्वासघात और पश्चाताप जैसे मजबूत एहसासों से भरी हुई है। इसकी कहानी 1996 के दौर की है। इसमें नंदामुरी बालकृष्ण सर ने ऐसा रोल निभाया है जो गरीबों के लिए लड़ता है।

इस साल कान्स में आपके स्टाइल ने खूब चर्चा पाई। क्या कहेंगी?

कान्स फेस्टिवल में मैंने बोल्ड और आर्टिस्टिक लुक अपनाया था लेकिन साथ ही अपनी संस्कृति और जड़ों से भी जुड़ी रही। 2024 में मैंने खालिद और मारवान सेरीन के कलेक्शन से एक शानदार गाउन पहना था, जो रॉयल्टी और इनोवेशन का कॉम्बिनेशन था। इस साल में स्कारलेट पैरोट क्लच लुक में दिखी। अब मैंने ये सीख लिया है कि ग्लोबल ट्रेंड्स को अपनी पर्सनालिटी के साथ कैसे बैलेंस किया जाए। हर लुक सिर्फ फैशन नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, भारतीयता और पहचान की एक कहानी कहता है।

एक्टिंग के अलावा कोई अन्य क्रिएटिव काम है, जिसे आप एक्सप्लोर करना चाहती हैं?

एक्टिंग के अलावा मुझे म्यूजिक और फैशन का भी बहुत शौक है। ये दोनों चीजें मेरी क्रिएटिविटी को जाहिर करने के खास तरीके हैं। मैं जल्द ही जेसन डेरुलो के साथ अपने पहले इंटरनेशनल म्यूजिक वीडियो में नजर आऊंगी और इसे लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं। इसके साथ ही, मैं अब प्रोडक्शन में भी कदम रख रही हूं ताकि ऐसी कहानियां बना सकूं जो मेरे दिल के करीब हों। फैशन की बात करें तो मैं अपनी खुद की एक लाइन शुरू करना चाहती हूं जो मेरे स्टाइल को दिखाए। कुछ ऐसा जो भारतीय पारंपरिक कारीगरी को मॉडर्न लुक के साथ कनेक्ट करें।

आने वाले वर्षों के लिए आपके करियर के टारगेट क्या हैं?

मैं खुद को एक ग्लोबल एंटरटेनर के रूप में स्थापित करना चाहती हूं, जो अलग-अलग मंचों पर देश का प्रतिनिधित्व करे। मेरा सपना है कि मैं उन कहानियों का हिस्सा बनूं जो न सिर्फ मनोरंजन करें, बल्कि समाज को कुछ सोचने पर भी मजबूर करें। वुमन सेंट्रिक कहानियां मुझे खास तौर घर आकर्षित करती हैं, क्योंकि ये नारी शक्ति और आत्मनिर्भरता की झलक देती हैं। भविष्य में मैं ऐसी कहानियों करना ही नहीं, बल्कि निर्देशन में भी हाथ आजमाना चाहती हैं। चाहे वह कान्स के रेड कार्पेट पर चलना हो या ऐसे रोल निभाना हो जो अब तक किसी ने न किया हो, मैं हर चुनौती को एक नए मौके की तरह लेना चाहती हूं और अपनी लिमिट्स को क्रॉस करते रहना चाहती हूं।

शिफ्ट टाइम पर बोलीं जेनेलिया, कहा- मुश्किल है, असंभव नहीं

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने जब से फिल्म स्पिरिट छोड़ी है, इंडस्ट्री में शिफ्ट टाइमिंग और वर्क-लाइफ बैलेंस को लेकर चर्चा छिड़ गई है। दरअसल, दीपिका ने निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा से आठ घंटे की शिफ्ट करने की शर्त रखी थी। इस पर सहमति नहीं बनने पर दीपिका ने फिल्म छोड़ दी। इसके बाद कई सितारे दीपिका के बचाव में आ चुके हैं। वहीं, हाल ही में अभिनेत्री जेनेलिया डिसूजा से जब वर्क-लाइफ बैलेंस से जुड़ा सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि वे हर दिन 10 घंटे काम करती हैं। जेनेलिया डिसूजा फिल्म सितारे जमीन पर फिल्म में नजर आएंगी, जो इसी महीने रिलीज होगी। हाल ही में बातचीत में जेनेलिया डिसूजा ने बताया कि वे अपनी निजी जिंदगी को कैसे मैनेज करती हैं? अभिनेत्री ने कहा कि डायरेक्टर जब काम के घंटे बढ़ा देते हैं तो वे एडजस्टमेंट कर लेती हैं। जेनेलिया ने कहा, यह मुश्किल है लेकिन असंभव नहीं है। मैं दिन में 10 घंटे काम करती हूं और ऐसे दिन भी आते हैं जब डायरेक्टर इसे बढ़ाकर 11 या 12 घंटे करने के लिए कहते हैं।

जेनेलिया डिसूजा ने आगे कहा, मुझे लगता है कि यह ठीक है, लेकिन हमें उन एडजस्टमेंट को करने के लिए समय चाहिए। जब आपके पास एक या दो दिन होते हैं, जब आपको ज्यादा काम करना पड़ता है। यह एक आपसी समझ और प्रोसेस भी है, जिसकी जरूरत है।

बेपरवाई के जरिए लोगों को मेरा मैसेज, दुनिया के लिए खुद को मत बदलो

प्लेबैक सिंगर जोनिता गांधी ने अपना नया गाना बेपरवाई रिलीज किया है। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए इस गाने के बारे में विस्तार से बताया। सिंगर ने बताया कि यह गाना उस एहसास को दिखाता है जब इंसान बेफिक्र हो जाता है, उसे इसकी परवाह बिल्कुल भी नहीं होती कि दुनिया उसके बारे में क्या सोचती है। जोनिता गांधी ने आईएएनएस से बात करते हुए बताया कि उनका गाना बेपरवाई कैसे बना। उन्होंने कहा, इस गाने का विचार टोरंटो में एक म्यूजिक सेशन के दौरान आया था। उस दिन मेरा मूड कुछ ऐसा था, मैं दुनिया को लेकर थोड़ी निराशा और चिढ़ सी महसूस कर रही थी। मुझे लग रहा था कि हम कई बार दूसरों की राय में उलझ जाते हैं और खुद को भूल जाते हैं। फिर मेरे मन में ख्याल आया कि अब और नहीं, अब बेफिक्र होकर जीना है, बिना इस डर के कि लोग क्या कहेंगे। इसी सोच से गाने का कोरस बना, जो कहता है, अब मैं बस बेपरवाह हूं, मैं यह सुनिश्चित करना चाहती थी कि यह गाना मेरी पहचान से जुड़ा हो, ताकि सुनने वालों को लगे कि हां, ये एक जोनिता गांधी का गाना है।

जोनिता गांधी ने आगे कहा, इस गाने को मैंने अपने अंदाज में गाया और पेश किया है। इसमें मैंने अपनी पहचान और गाने की खास स्टाइल को बनाए रखा, ताकि यह गाना भी बाकी उनके गानों की तरह ही लगे। गाने में भी मैंने सॉफ्ट टोन का इस्तेमाल किया, जैसे मैं हर गाने में करती हूं। इस गाने को बनाने में मेरे साथ म्यूजिक प्रोड्यूसर एरिजा ने काम किया। मैंने पहले भी उनके साथ कई बार काम किया है। उन्होंने गाने के म्यूजिक को इस तरह तैयार किया, जो हर एक शब्द के फील को बढ़ाता है।

टॉम क्रूज से अपने प्लेन स्टंट की तुलना पर बोले अक्षय

बॉलीवुड में 'खिलाड़ी' और एक्शन किंग के नाम से जाने जाने वाले अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चाओं में हैं। हाल ही में खिलाड़ी कुमार की फिल्म हाउसफुल 5 रिलीज हुई है और अब उनकी एक और फिल्म 'कनप्पा' इन दिनों रिलीज से पहले चर्चाओं में है। इसी बीच अक्षय की एक फिल्म के सीन की तुलना हॉलीवुड एक्टर टॉम क्रूज से हो रही है, जिसपर अब उनका रिएक्शन आ गया है। अक्षय ने इस पर कटाक्ष भरे अंदाज में इसका जवाब दिया है।

अक्षय ने टॉम से तुलना पर दिया जवाब

हाल ही में एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें अक्षय कुमार के 2000 में रिलीज हुई फिल्म 'खिलाड़ी 420' का एक विमान पर स्टंट दिखाया गया है, वहीं एक क्लिप में टॉम क्रूज का 'मिशन- इंपॉसिबल' फिल्म से विमान पर स्टंट दिखाया गया है। इस तुलना पर अक्षय ने अपना रिएक्शन दिया है जो फैंस के लिए मजेदार और चौंकाने वाला है।

अक्षय कुमार ने बताया कि उनके एक्शन स्टंट्स की प्रेरणा टॉम क्रूज से नहीं बल्कि बचपन के पसंदीदा कार्टून 'टॉम और जेरी' से मिलती है। उन्होंने कहा, 'मैं जहां से प्रेरणा लेता हूं, वो आप विश्वास नहीं करेंगे टॉम और जेरी से। मुझे ये कार्टून बहुत पसंद है। ये बच्चों के लिए है लेकिन इसमें बहुत जोरदार और हिंसक एक्शन होता है। मुझे याद है टॉम हेलीकॉप्टर से झूलते हुए जेरी को पकड़ता है, जिसे मैंने 'सबसे बड़ा खिलाड़ी' में अपनाया और 'खिलाड़ी 420' में वो विमान पर टॉम का स्टंट मैंने इसी से लिया।'

'टॉम एंड जेरी' का अक्षय ने किया जिक्र

अक्षय ने कार्टून 'टॉम एंड जेरी' की हिंसक प्रकृति पर भी रोशनी डाली। उन्होंने हंसते हुए कहा, 'ये कार्टून बहुत हिंसक है। बच्चों को ये फिल्म दिखाना थोड़ा अजीब है क्योंकि इसमें बहुत सारा हिंसक कंटेंट है।' अक्षय कुमार ने अपनी बात को मजाकिया अंदाज में कहा।

अक्षय कुमार का वर्कफ्रंट

फिल्मों की बात करें तो अक्षय कुमार का साल 2025 शानदार रहा है। इस साल उनके तीन बड़े प्रोजेक्ट्स 'स्काई फोर्स,' 'केसरी चैप्टर 2,' और 'हाउसफुल 5' रिलीज हो चुके हैं। इसके बाद उन्हें तेलुगु फिल्म 'कन्नप्पा' में भगवान शिव की भूमिका में देखा जाएगा। इसके अलावा अक्षय जल्द ही 'जॉली एलएलबी 3' में नजर आएंगे, जिसमें उनके साथ अर्शद वारसी भी हैं। साथ ही, प्रियदर्शन की 'हेरा फेरी 3' में अक्षय अपने प्रिय किरदार राजू की भूमिका दोबारा निभाएंगे, जिससे फैंस के बीच उत्साह का माहौल है।

अरमान -अमाल मलिक के रिश्तों में आई दूरी मिटी, अब फिर साथ गूंजे सुर

कुछ महीने पहले तक मलिक परिवार से जुड़ी मतभेद की खबरों ने सबको चौंका दिया था। म्यूजिक डायरेक्टर अमाल मलिक ने सोशल मीडिया पर अपने माता-पिता और भाई अरमान मलिक से दूर होने की बात कही थी। कई लोग यही सोचने लगे कि अब शायद ये साथ नहीं दिखेंगे। लेकिन अब वही दोनों भाई एक साथ लौट आए हैं। हाल ही में अरमान मलिक ने अपने भाई अमाल के साथ मिलकर एक सिंगल 'बारी बारी' रिलीज किया है। गाना गाया है अरमान ने वहीं इसे कंपोज किया है अमाल ने। अमर उजाला डिजिटल से बातचीत के दौरान अरमान ने इस गाने और भाई के साथ अपने रिश्ते को लेकर बात की।

अमाल के सोशल मीडिया पोस्ट के बाद अब जब आप दोनों साथ आए हैं, तो कैसा रहा ये सफर? क्या ये दूरी आपको और करीब ले आई?

हां, ये सफर काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा, लेकिन मैं कह सकता हूं कि हम दोनों अब पहले से भी ज्यादा क्लोज हो गए हैं। उस पूरे फेज के दौरान बहुत सारी बातें हुईं, जो शायद पहले कभी नहीं हुई थीं हमने दिल से एक-दूसरे को समझा, जो भी मिसअंडरस्टैंडिंग्स थीं उन्हें क्लियर किया। हमारी बॉन्डिंग अब और सॉलिड हो गई है। मैं कह सकता हूं कि इससे पहले इतना गहरा रिश्ता नहीं था।

क्या आपको कभी लगा कि म्यूजिक तो बस एक जरिया है, असली रिश्ता उससे कहीं गहरा है?

बिलकुल! म्यूजिक हमें जोड़ता है, लेकिन हमारा रिश्ता उससे कहीं गहरा है। बचपन से एक-दूसरे के सुरों में पले-बढ़े हैं। मम्मी-पापा ने ऐसा माहौल बनाया जहां दिल की बात खुलकर हो सके। अमाल सिर्फ भाई नहीं हैज वो मेरे लिए एक गुरु जैसा है। जब भी मुझे किसी चीज पर राय चाहिए होती है, सबसे पहले उसी के पास जाता हूं। और ये बात मैं सच में बहुत रिस्पेक्ट करता हूं। क्योंकि हर किसी को ऐसा रिश्ता नहीं मिलता।

अमाल के साथ फिर से काम करना... ये सफर कैसा रहा आप दोनों भाइयों के लिए?

ये गाना हमने लगभग एक साल पहले बनाया था, जून के महीने में। इसकी जर्नी काफी उतार-चढ़ाव भरी रही। कई बार लगा कि अब इसे रिलीज करते हैं, फिर कभी नहीं कर पाए। फाइनली हमें एक सही विंडो मिली। मैंने सोचा इसे एक स्पेशल मौके पर निकालना चाहिए। अमाल का बर्थडे 16 जून को होता है और हमने 18 जून को इसे रिलीज किया। बहुत वक्त बाद हमारा कोई सिंगल आ रहा है। मैं बहुत खुश हूं क्योंकि इस गाने का वाइब बहुत अलग है... बहुत फन है, कैजुअल है। हमारे बाकी गाने ज्यादातर रोमांटिक और इमोशनल रहे हैं, लेकिन 'बारी बारी' एकदम मस्तीभरा है।

एक ऐसा लम्हा जो हमेशा याद रहेगा इस गाने से जुड़ा?

शायद पहली बार ऐसा हुआ कि जिस रफ वॉइस टेक को सिर्फ डेमो के लिए गाया था, वही फाइनल में रखा गया। स्पीकर ऑन था, एक ही टेक में गा दियाज और जो फील उस वक्त थी, वो दोबारा नहीं आ सकी। जितनी बार ट्राय किया, वो इमोशन वापस नहीं आया। इसलिए सोचा - यही टेक रख देते हैं।

भाई होने के नाते अमाल का आपकी लाइफ में क्या रोल रहा है?

अमाल मेरे लिए सिर्फ एक भाई नहीं, एक गाइड, एक दोस्त, एक सपोर्ट सिस्टम है। हम दोनों का रिश्ता ऐसा है कि अगर वो कुछ शुरू करता है, तो मैं उसे पूरा करता हूं ज्और उल्टा भी। हम एक-दूसरे को कॉम्प्लीमेंट करते हैं। मैं हमेशा कहता हूं - चाहे कुछ भी हो जाए, भाई ही है जो आपको वापस खींच लाता है। आज हम साथ हैं, मजबूत हैं, और आगे भी ऐसे गाने बनाएंगे जो सिर्फ हिट नहीं, दिल से निकले हुए हों।

दिल्ली-एनसीआर में अचानक बदला मौसम, धूल भरी आंधी के बाद झमाझम बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। जून के पहले दिन दिल्ली में बादल छाए रहे और दिनभर तेज हवाएं चलने लगीं। आईएमडी ने आंधी, बिजली गिरने, 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और मध्यम बारिश की भविष्यवाणी की थी। पूरे एनसीआर में तेज हवाएं के साथ बारिश शुरू हो गई। लेकिन हवा अभी भी नहीं रुकी है। हवा की गति 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक भी जा सकती है। इस दौरान तापमान भी सामान्य से कम रहने का अनुमान है। रविवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 27.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। वहीं, हवा की गुणवत्ता फिलहाल नियंत्रण में है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, रविवार सुबह 10 बजे दिल्ली का एक्यूआई 193 दर्ज किया गया। इसे मध्यम श्रेणी में रखा गया है। एनसीआर के शहरों का एक्यूआई भी कुछ जगहों पर संतोषजनक तो कुछ जगहों पर मध्यम श्रेणी में है। निकट भविष्य में इसके बढ़ने की कोई संभावना नहीं है।

दिल्ली के जंगपुरा में जमकर गरजा बुलडोजर, मद्रासी कैंप में तोड़ी जा रही 300 से ज्यादा झुग्गियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के जंगपुरा इलाके में आज सुबह से मद्रासी कैंप में अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए बुलडोजर ऐक्शन शुरू हो गया है। स्थानीय लोगों के संभावित विरोध से निपटने के लिए यहां भारी तादाद में दिल्ली पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों के जवान मौके पर तैनात हैं। इस बुलडोजर कार्रवाई के दौरान करीब 300 से अधिक झुग्गियों को तोड़ा जाएगा।

दिल्ली हाईकोर्ट ने मॉनसून में भीषण जलभराव को रोकने के लिए बारापुला नाले की सफाई की आवश्यकता जताते हुए 1 जून से मद्रासी कैंप को ध्वस्त करने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट ने 9 मई को दिए आदेश में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के अलावा विस्थापित लोगों को नरेला में बसाने का भी कहा था। करीब 60 साल से बसी झुग्गी बस्ती में 300 से अधिक मजदूर वर्ग के परिवार रहते हैं। 12 अप्रैल को अधिकारियों ने झुग्गी बस्ती की दीवारों पर सरकार द्वारा आवंटित फ्लैटों के लिए पात्र परिवारों की सूची चिपकाई थी। लगभग 370 परिवारों में से सिर्फ 189 ही फ्लैट के लिए पात्र पाए गए। मद्रासी कैंप के निवासी मुरुगन ने दावा किया, 'करीब 300 परिवारों में से केवल 189 को ही फ्लैट आवंटित किए गए हैं - हमें जो फ्लैट दिए जा रहे हैं, वे भी अधूरे हैं और उनकी हालत भी खराब है।'

बारापुला नाले पर अतिक्रमण हटाना जरूरी : दिल्ली हाईकोर्ट

जस्टिस प्रतिभा एम सिंह और जस्टिस मनमीत पी.एस. अरोड़ा की बेंच ने 9 मई को अपने आदेश में कहा था, ''अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई व्यवस्थित तरीके से की जानी चाहिए। बारापुला नाले को जाम से मुक्त कराने के लिए मद्रासी कैंप के निवासियों का पुनर्वास भी आवश्यक है। कोई भी निवासी पुनर्वास के अधिकार से इतर किसी अन्य अधिकार का दावा नहीं कर सकता, क्योंकि यह सार्वजनिक भूमि है, जिस पर अतिक्रमण किया गया है।'' हाईकोर्ट द्वारा मद्रासी कैंप के निवासियों के 20 मई से सुचारू पुनर्वास के निर्देश भी दिए गए थे। अधिकारियों ने अवैध तरीके से रह रहे परिवारों को बारापुला नाले को जाम से मुक्त कराने के लिए अतिक्रमण और अनधिकृत निर्माण हटाने के वास्ते ध्वस्तीकरण नोटिस जारी किया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि विशेष रूप से आगामी मॉनसून के मौसम को देखते हुए पुनर्वास अत्यंत आवश्यक है, साथ ही बारापुला नाले की समय पर सफाई आसपास के क्षेत्रों में गंभीर जलभराव को रोकने के लिए भी जरूरी है। बेंच ने कहा कि 20 मई से 31 मई के बीच मद्रासी कैंप से सभी सामान हटा दिए जाने चाहिए और एक जून से तोड़फोड़ शुरू होनी चाहिए। हाईकोर्ट द्वारा दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और दिल्ली सरकार समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों को 19 से 20 मई तक दो शिविर आयोजित करने का आदेश दिया गया था। बता दें कि, अदालत ने मद्रासी कैंप को अवैध निर्माण बताते हुए कहा कि इससे नाले में रुकावट पैदा हुई और नाला अवरुद्ध हो गया, जिसके कारण बारिश के दौरान खासकर मॉनसून के मौसम में आसपास के इलाकों में गंभीर जलभराव हो गया।

सुंदर नगरी सिलेंडर ब्लास्ट में दो बच्चे की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर पूर्वी जिले के नंद नगरी थाना क्षेत्र के सुंदर नगरी इलाके में गाड़ी में इस्तेमाल किए जाने वाले सीएनजी सिलेंडर में ब्लास्ट से दो मासूम बच्चों की इलाज के दौरान जीटीबी अस्पताल में मौत हो गई। इस हादसे में दोनों बच्चे 80 प्रतिशत से ज्यादा झुलस गए थे। मृतक बच्चों की पहचान साकिब और अब्बास के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, सुंदर नगरी इलाके के एक गोदाम में शनिवार शाम तकरीबन 4ः30 बजे पुराना सीएनजी सिलेंडर की मरम्मत के दौरान जोरदार धमाका हुआ था। धमाका इतना जबरदस्त था कि गोदाम में लगे लोहे का दरवाजा टूट गया था। वहीं, इसकी चपेट में पास में खेल रहे तीन मासूम बच्चे आ गए थे। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची थी। घायलों को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान आज दो बच्चे की मौत हो गई।

उत्तर पूर्वी दिल्ली के डीसीपी आशीष मिश्रा ने बताया कि हादसे को लेकर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। वहीं, इस दुर्घटना को लेकर इलाके के लोगों में भारी रोष है। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि गोदाम में सुरक्षा मानकों की अनदेखी करते हुए पुराने सीएनजी सिलेंडरों की मरम्मत की जा रही थी।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह गोदाम लंबे समय से इस तरह के खतरनाक कामों में लिप्त था। कई बार पुलिस से शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय निवासियों के मुताबिक इस तरीके के हादसे यहां पहली भी हो चुके हैं, लेकिन प्रशासन ने अब तक कोई सबक नहीं लिया। जिसकी वजह से दो मासूम बच्चे की जान चली गई। वहीं, एक बच्चा राजा व गोदाम का कर्मचारी अरशद अभी भी जिंदगी और मौत से जंग लड़ रहे हैं। फिलहाल, पुलिस गोदाम मालिक के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बच्चों के लिए शनि बाजार से ईद के लिए कपड़े खरीदने जाने वाली थी शबाना

जीटीबी अस्पताल की इमरजेंसी में तीनों बच्चों की मां शबाना की आंखों से आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे थे। साथ में बैठी महिलाएं उन्हें ढांढस बंधा रही थी कि उनके बच्चे जल्दी ठीक हो जाएंगे। रोते हुए शबाना उनसे कह रही थीं कि मेरे बच्चों को बचा लो। ईद के लिए मैं शाम को शनि बाजार से बच्चों के लिए नए कपड़े लेने जाने वाली थी। ये क्या हो गया। शबाना ने बताया कि वह बच्चों की पढ़ाई के लिए अनूपशहर से पति के साथ यहां आई थीं। उनके बच्चे ओ-ब्लाक में निगम स्कूल में पढ़ने जाते हैं। उनके घर के सामने ही उनका मायका है। उन्होंने बताया कि ईद के लिए बच्चों के कपड़े खरीदने थे। सोचा था कि बच्चे खेल कर ऊपर आ जाएंगे तो उनको लेकर शनि बाजार जाऊंगी। ऐसा कर पाती उससे पहले हादसा हो गया। उन्होंने बताया कि जब धमाका होने पर घर से बाहर निकल कर देखा तो उनके बच्चे घायल सड़क पर पड़े थे और तन पर कपड़े नहीं थे। कपड़ जल गए थे। वहीं बच्चों के नाना नईम ने कहा कि जिसकी लापरवाही से हादसा हुआ है, उनको कड़ी सजा मिलनी चाहिए। प्रशासन को भी सजग होना चाहिए और अवैध गतिविधियों को रोकना चाहिए।

धमाका सुन लगा कहीं बम फट गया, कंपन महसूस हुआ

जहीर आराम से घर में सो रहे थे। शाम को जोरदार धमाके से उनकी नींद टूटी। उन्हें लगा कहीं बम फट गया। उनके घर की खिड़कियों के शीशे भी टूट गए। बाहर निकले तो पड़ोसी के तीन बच्चे सड़क पर झुलसे हुए पड़े थे। घर के बगल वाला गोदाम पूरी तरह तहस-नहस था। तब उन्हें पता चला कि धमाका बम से नहीं सीएनजी गैस सिलेंडर के फटने से हुआ। जहीर का मसाले का काम है। उन्होंने बताया कि गोदाम में खतरनाक काम ही होता था। कोई कहने सुनने वाला नहीं। अब हादसा हुआ है तो शायद सबक लें। घटनास्थल से 20 मीटर दूरी पर अनवरी का घर है।

अनवरी बयां किया अनुभव

अनवरी ने बताया कि धमाका इतना जोरदार था कि कंपन महसूस हुआ। ऐसा लगा कि कहीं बम फट गया हो। घर से बाहर झांक कर देखा तो बहुत बुरा दृश्य था, जिसे बयां नहीं किया जा सकता। उन्होंने बताया कि गैस की बदबू गली में आती रहती थी। कई बार गोदाम मालिक से आपत्ति जताई, लेकिन वह नहीं मानता था। उन्होंने बताया कि निकलते वक्त कई बार देखा कि एक सिलेंडर से दूसरे में गैस पलटी जाती थी। ऐसा ही कुछ करते वक्त हादसा हुआ होगा। गली के कोने पर चौधरी डेरी के संचालक ने नाम बताने से इन्कार कर दिया, लेकिन यह जरूर बताया कि ऐसी घटनाएं पहले भी होती रही हैं। लोगों की बातों से जाहिर है कि इस क्षेत्र में अवैध रूप से खतरनाक काम हो रहे हैं।

दिल्ली में 24 घंटे में कोरोना के 61 नए मामले सामने आए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में 24 घंटे में कोरोना के 61 नए मामले सामने आए, 91 मरीज ठीक हुए। अब तक कुल 357 मरीज ठीक हो चुके है, एक्टिव मरीजों की संख्या 436 हो गई है। हाल ही में दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि सभी मरीजों में सामान्य खांसी और बुखार के लक्षण हैं। नया वैरिएंट वायरल संक्रमण के रूप में सामने आया है। मौजूदा स्थिति से लग रहा है कि यह धीरे-धीरे कम हो जाएगा। एहतियात के तौर पर अस्पतालों को दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। स्थिति पर नजर रखी जा रही है। दिल्ली स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। बताया जा रहा है कि ओमीक्रॉन के जेएन. वन वैरिएंट के स्वरूप में थोड़ा बदलाव आया है। इसकी वजह से जेएन. वन वैरिएंट सब-वैरिएंट की वजह से संक्रमण देखने को मिल रहा है। ओमिक्रॉन और इसके जेएन. वन वैरिएंट का संक्रमण पहले भी हो चुका है। उस समय भी ज्यादातर मरीजों में हल्के लक्षण देखने को मिले थे।

युवक की हत्या कर शव जंगल में फेंका, नाबालिग सहित तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिणी पूर्व जिले के पुल प्रहलादपुर क्षेत्र मे एक युवक की हत्या कर शव को जंगल में फेंकने का मामला सामने आया है। मृतक की शिनाख्त शोएब राणा के रूप में हुई है। शोएब 15 मई की रात को अचानक गायब हो गया था। पुलिस ने छानबीन के बाद हत्या की गुत्थी को सुलझाते हुए नाबालिग समेत तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान सुहेल खान, अशरफ उर्फ तोतला, जबकि तीसरा आरोपित नाबालिग है। आरोपितों ने पुरानी रंजिश में 15 मई की रात को शोएब की गला घोंटने के बाद चाकू से वारकर हत्या कर दी थी। बाद में उसके चेहरे को पत्थर से कुचल दिया। आरोपियों की निशानदेही पर शनिवार को पुलिस ने पुल प्रहलादपुर के जंगलों से शोएब का शव बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार पुल प्रहलादपुर इलाके में रहने वाले शोएब 15 मई को अचानक लापता हो गए थे। उसका पता नहीं चलने पर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई। छानबीन के दौरान पुलिस ने कई बार उसके पड़ोसी सुहेल को थाने बुलाकर उससे पूछताछ की, लेकिन उसने शोएब के बारे में कुछ भी जानकारी होने से इंकार किया। शुक्रवार को पुलिस ने एक नाबालिग को पकड़ा तो उसने शोएब की हत्या की बात कबूली।

भारतीय सेना का कर्नल बनकर ठगी करने वाला 77 वर्षीय धोखेबाज गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 01 जून (वेब वार्ता)। खुद को भारतीय सेना का कर्नल बताकर युवाओं को सेना में नौकरी दिलाने व सेना कल्याण आवास संगठन (एडब्ल्यूएचओ) में फ्लैट और दुकान दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले 77 वर्षीय धोखेबाज सीताराम गुप्ता को क्राइम ब्रांच ने पंजाब से गिरफ्तार किया है। वह पंजाब विश्वविद्यालय में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय डॉ. मनमोहन सिंह का अर्थशास्त्र का छात्र था। वह दिल्ली में भारतीय सेना में नौकरी दिलाने के लिए धोखाधड़ी और जालसाजी के तीन मामलों में भी शामिल रहा है। इन मामलों में उसे दोषी पाया गया है।

डीसीपी अपूर्वा गुप्ता के मुताबिक सीताराम गुप्ता उर्फ सीताराम सिंगला पंजाब के पटियाला से गिरफ्तार किया गया। 2007 में उसने भारतीय सेना कल्याण आवास संगठन (एडब्ल्यूएचओ) में फ्लैट और दुकान की पेशकश करने के धोखाधड़ी के मामले में वांछित था। विवेक विहार थाने में दर्ज में इस मामले में उसे जमानत मिल गई थी। बैंक कर्मचारी अनिल निगम ने विवेक विहार थाने में शिकायत कर बताया कि सीताराम सिंगला नाम का व्यक्ति खुद को दिल्ली में तैनात कर्नल रैंक का सैन्य अधिकारी बताया था और शिकायतकर्ता को एक फ्लैट की पेशकश की, जिसे आर्मी वेलफेयर हाउसिंग ऑर्गनाइजेशन द्वारा बनाया जाना था। उसी योजना के तहत उसने एक दुकान भी बुक कराने की पेशकश की थी।

एडवांस 56,000 रुपये लिकर उसने शिकायतकर्ता को दो रसीदें सौंपीं। संदेह के बाद शिकायतकर्ता ने विवेक विहार थाने में धोखाधड़ी और जालसाजी के तहत मामला दर्ज करवा दिया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने कड़कड़डूमा कोर्ट में आरोपपत्र दायर किया था। लंबे समय तक अदालती प्रक्रिया में पेश न होने पर उसे भगोड़ा घोषित कर दिया गया था। 31 मई को क्राइम ब्रांच को सीताराम गुप्ता के बारे में जमानत जंप करने के बारे में सूचना मिली। यह भी पता चला कि वह पंजाब के मानसा का रहने वाला है लेकिन वर्तमान में पटियाला में स्थित एक वृद्धाश्रम में रह रहा है। वृद्धाश्रम में वह गलत पहचान के साथ रह रहा था। जांच के बाद उसे दबोच लिया गया।

सीताराम गुप्ता का जन्म मंडी डबवाली, सिरसा, हरियाणा में हुआ था और लेकिन बाद में उसका परिवार पंजाब के मानसा में रहने लगा। उसने पंजाब विश्वविद्यालय से एमए (इतिहास) और एमए (अर्थशास्त्र) की पढ़ाई की। वह भारत के पूर्व माननीय प्रधानमंत्री स्वर्गीय डॉ. मनमोहन सिंह के अर्थशास्त्र का छात्र था, जो पंजाब विश्वविद्यालय में उनके प्रोफेसर थे। उसने भारतीय सेना में पहले ठेकेदार के रूप में काम करना शुरू किया और पूरे भारत के विभिन्न छावनी क्षेत्रों में तेल की आपूर्ति करना शुरू कर दिया। अपने काम के दौरान, उसने सेना के अधिकारी के विभिन्न पदों का ज्ञान प्राप्त किया और भारतीय सेना की भर्ती प्रक्रिया के बारे में सीखा।

सेना में नौकरी देने के बहाने कई युवाओं से पैसे लिए

1987 में दिल्ली आकर तेल ठेकेदार के रूप में काम करना शुरू कर दिया। अपने काम से अलग होकर वह खुद को सेना का कर्नल बता दिल्ली वासियों के साथ धोखाधड़ी करना शुरू कर दिया। उसने भारतीय सेना में नौकरी देने के बहाने कई युवाओं से पैसे लिए। एक बैंक कर्मचारी को आर्मी वेलफेयर हाउस ऑर्गनाइजेशन में फ्लैट और दुकान देने का वादा करके ठगा।

इजराइल का ईरान के एटमी रिएक्टर पर हमला : कुछ घंटे पहले शहर खाली करने की चेतावनी दी थी, अब तक 639 ईरानियों की मौत

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल ने ईरान में अराक हेवी वॉटर रिएक्टर पर हमला कर दिया है। हमले के बाद हुए नुकसान की जानकारी नहीं मिली है। कुछ घंटे पहले ही इजराइली सेना ने अराक और खोंडब शहर के लोगों को इलाका खाली करने की चेतावनी दी थी। अराक में हैवी वाटर रिएक्टर है। यह फैसिलिटी ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम का एक अहम हिस्सा है। इसके साथ ही अराक में बड़े पैमाने पर हथियारों का उत्पादन होता है।

इजराइल ने खोंडब में भी हमले की चेतावनी दे रखी है। खोंडब में भी IR-40 हैवी वाटर रिएक्टर है, जो ईरान के परमाणु कार्यक्रम का एक और अहम हिस्सा है। यह फैसिलिटी अराक से करीब 40 किलोमीटर दूर है। अराक की तरह इसे भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निगरानी में रखा जाता है। ईरान और इजराइल के बीच जंग सातवें दिन में पहुंच गई है। अब तक इजराइल के 24 लोग मारे गए हैं। वहीं, वॉशिंगटन स्थित एक ह्यूमन राइट्स ग्रुप ने दावा किया है कि ईरान में मौत का आंकड़ा अब 639 हो चुका है और 1329 लोग घायल हुए हैं।

अस्पताल पर ईरान का हमला युद्ध अपराध, आंतकी घटना : इस्राइल के स्वास्थ्य मंत्री उरिएल बुसो ने कहा है कि सोरोका अस्पताल पर ईरान का मिसाइल अटैक आतंकी घटना और युद्ध अपराध है। इस्राइल का आरोप है कि ईरान ने जानबूझकर अस्पताल को निशाना बनाया।

इस्राइली अस्पताल पर मिसाइल हमला : इस्राइल के बीरशेबा इलाके में सोरोका अस्पताल पर ईरान ने मिसाइल हमला किया है। इस हमले में नुकसान की जानकारी अभी नहीं मिल पाई है। मध्य और दक्षिण इस्राइल में भी ईरानी मिसाइलों से काफी नुकसान हुआ है।

तेहरान में इस्राइली वायुसेना के हमले : इस्राइली सेना ने कहा है कि उनकी वायुसेना ईरान की राजधानी तेहरान में हवाई हमले कर रही है। ईरानी मीडिया ने कहा है कि सेंट्रल तेहरान में एयर डिफेंस सिस्टम को एक्टिविट कर दिया गया है।

इस्राइल ने ईरानियों को अराक रिएक्टर का इलाका खाली करने को कहा, तेहरान में किए हवाई हमले : इस्राइली सेना ने ईरान के लोगों को अराक और खोनदाब शहरों को खाली करने का निर्देश दिया है। दरअसल अराक और खोनदाब शहरों में ईरान के हैवी वाटर परमाणु रिएक्टर हैं। ये हैवी वाटर परमाणु रिएक्टर्स को ठंडा करने में मदद करते हैं।

इस्राइली सेना ने घर को निशाना बनाया, फलस्तीनी बड़ी संख्या में हताहत : मध्य गाजा में इस्राइल के हमले में 100 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है। अल-अक्सा शहीद अस्पताल और अल-अवदा अस्पताल से मिली जानकारी के मुताबिक 100 से अधिक फलस्तीनी लोग घायल हुए हैं। गाजा शहर के जेइतून इलाके में इस्राइली सेना ने एक घर पर बमबारी की, जिससे बड़ी संख्या में फलस्तीनी हताहत हुए।

ईरान के साथ गाजा में भी हिंसक संघर्ष का दौर जारी : पश्चिम एशिया में ईरान के साथ जारी टकराव के साथ-साथ इस्राइल और हमास का हिंसक संघर्ष भी जारी है। फलस्तीनी युवाओं के कुद्स न्यूज नेटवर्क और फलस्तीनी सूचना केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक मध्य गाजा के नुसेरात में गाजा ब्रिज के पास इस्राइली सेना ने हमले किए। इस हमले में 16 फलस्तीनी मारे गए, जबकि दर्जनों घायल हुए हैं।

ईरान के खिलाफ युद्ध का समर्थन कर रहे 80 प्रतिशत से अधिक यहूदी इस्राइली : एक रिपोर्ट के मुताबिक लगभग 83 फीसदी यहूदी इस्राइली लोगों ने पश्चिम एशिया के एक अन्य देश ईरान के खिलाफ युद्ध का समर्थन कर रहे हैं। यहां तक कि एविगडोर लीबरमैन जैसे दक्षिणपंथी कट्टरपंथी नेता भी अब कह रहे हैं कि नेतन्याहू सही काम कर रहे हैं। लीबरमैन ने 2018 में सरकार की नीतियों से असंतुष्ट होकर अपना कैबिनेट पद छोड़ दिया था। गाजा में युद्ध के कारण पिछले साल नेतन्याहू के मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने वाले बेनी गैंट्ज ने भी कहा है कि ईरान के मामले में केवल सही या गलत का फैसला होना है, और इस्राइल सही है। बता दें कि पीएम नेतन्याहू ने बीते शुक्रवार यानी 13 जून को इस्राइली सेना को ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले का आदेश दिया।

तेहरान का आंतरिक सुरक्षा मुख्यालय नष्ट कर दिया गया : इस्राइल का दावा : इस बीच, इस्राइल के रक्षा मंत्री ने दावा किया है कि ताजा मिसाइल हमलों में तेहरान स्थित ईरान के आंतरिक सुरक्षा मुख्यालय और रेड क्रिसेंट को नष्ट कर दिया गया है। इस्राइल-ईरान तनाव पर भारत और इस्राइल के रक्षा अधिकारियों के बीच बातचीत इस्राइल और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच बुधवार को भारत के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह को इस्राइली रक्षा मंत्रालय के महानिदेशक मेजर जनरल (रिटा.) आमिर बारम का फोन आया। इस बातचीत में मौजूदा हालात को लेकर जानकारी साझा की गई। भारतीय रक्षा मंत्रालय ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर बताया कि रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह को आज इस्राइली रक्षा मंत्रालय के महानिदेशक मेजर जनरल (रि.) आमिर बारम का फोन आया। उन्होंने वर्तमान स्थिति की जानकारी दी। भारत लौटीं छात्र बोली- मिसाइलें सिर के ऊपर से गुजरती थीं ईरान में बिगड़ते हालात के बीच वहां फंसे 110 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालकर भारत लाया गया। सभी को लेकर एक विशेष फ्लाइट दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरी। इन लोगों में शामिल यासिर गफ्फार नाम के छात्र ने बताया कि हमने रात में मिसाइलों को ऊपर से जाते देखा और जोरदार धमाकों की आवाजें सुनीं। डर का माहौल था, लेकिन अब भारत पहुंचकर राहत मिली है। यासिर ने कहा कि उन्होंने अपने सपनों को अभी नहीं छोड़ा है तनाव के चलते भारत अपने नागरिकों को वहां से सुरक्षित निकालने में जुटा है। परमाणु कार्यक्रम को लेकर इस्राइल और ईरान में बढ़ते तनाव के बीच जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन के विदेश मंत्री शुक्रवार को जिनेवा में ईरान के विदेश मंत्री के साथ अहम परमाणु बातचीत करेंगे। जर्मन राजनयिक सूत्रों की माने तो बैठक से पहले यूरोपीय देशों के मंत्री यूरोपीय संघ की प्रमुख राजनयिक काजा कैलास से जर्मनी के स्थायी मिशन में मुलाकात करेंगे।

पूर्व राष्ट्रपति क्रिस्टिना फर्नांडिज की नजरबंदी शुरू हुई, हजारों लोग समर्थन में सड़क पर उतरे

ब्यूनस आर्यस , एजेंसी। अर्जेंटीना की पूर्व राष्ट्रपति क्रिस्टिना फर्नांडिज की भ्रष्टाचार के आरोप में दोषी पाए जाने के बाद छह साल घर में ही नजरबंद रहने की सजा शुरू हो गई है। साथ ही पूर्व राष्ट्रपति को राजनीति से भी पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है। क्रिस्टिना के समर्थन में हजारों लोग सड़कों पर उतरे और पूर्व राष्ट्रपति के समर्थन में रैली निकाली। क्रिस्टिना फर्नांडिज साल 2004-2007 तक अर्जेंटीना की प्रथम महिला के पद पर रहीं। इसके बाद 2007 से 2015 तक दो बार अर्जेंटीना के राष्ट्रपति पद पर रहीं। साल 2019 से 2023 तक क्रिस्टिना अर्जेंटीना की उपराष्ट्रपति रहीं। दो दशकों तक अर्जेंटीना की राजनीति पर रहा क्रिस्टिना का दबदबा इस तरह क्रिस्टिना का करीब दो दशकों तक अर्जेंटीना की राजनीति में दबदबा रहा है। आज भी क्रिस्टिना फर्नांडिज को राष्ट्रपति जेवियर मिलेई के विरोध का प्रमुख चेहरा माना जाता है। विभिन्न पोल्स से पता चला है कि अभी भी फर्नांडिज और उनकी पार्टी को अर्जेंटीना के 30 प्रतिशत लोगों का समर्थन हासिल है। नजरबंदी के खिलाफ बड़ी संख्या में लोगों का समर्थन मिलना भी इस बात का सबूत है। 72 वर्षीय फर्नांडीज ने अपने समर्थकों को रिकॉर्ड किए गए भाषण में कहा, हम वापस आएंगे, और, इससे भी बढ़कर, हम अधिक बुद्धिमत्ता, अधिक एकता और अधिक ताकत के साथ वापस आएंगे। 2022 में जिस मामले में क्रिस्टिना को पहली बार दोषी ठहराया गया था, उसमें पाया गया कि उन्होंने एक मित्र व्यवसायी को सार्वजनिक निर्माण अनुबंध देने में धोखाधड़ी की थी। हालांकि क्रिस्टिना ने आरोपों का खंडन किया है और अपने विरोधियों पर न्याय प्रणाली को उनके खिलाफ हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। अदालत के फैसले से पहले इस महीने क्रिस्टिना ब्यूनस आर्यस के प्रांतीय विधायिका का चुनाव लड़ने की योजना बना रहीं थीं। क्रिस्टिना के समर्थन में भारी भीड़ का जुटना अर्जेंटीना में तेज होते विभाजन का सबूत है। फर्नांडिज के कार्यकाल में कल्याण और सार्वजनिक रोजगार में खासी वृद्धि हुई, जिससे अर्जेंटीना में महंगाई में उछाल आया और देश भारी घाटे में चला गया।

कांगो के न्याय मंत्री कॉन्स्टेंट मुताम्बा ने पद से इस्तीफा दिया

किंशासा , एजेंसी। कांगो के न्याय मंत्री कॉन्स्टेंट मुताम्बा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन पर करीब 19 मिलियन अमेरिकी डॉलर के गबन का आरोप है। ये पैसा किसनगानी नाम के शहर में एक जेल बनाने के लिए दिया गया था। मुताम्बा का कहना है कि उनके खिलाफ जो कानूनी कार्रवाई हो रही है, वह रवांडा सरकार की एक साजिश है। उन्होंने कहा कि उन्हें जहर देने और मारने की कोशिशें भी की गईं, लेकिन वह बच निकले। मुताम्बा ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ लोग, जो कांगो के दुश्मनों के लिए काम कर रहे हैं, उन्हें बदनाम करना चाहते हैं।

कांगो और रवांडा ने प्रारंभिक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए : कांगो और रवांडा के प्रतिनिधियों ने अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में एक शांति समझौते के मसौदे पर हस्ताक्षर किए हैं। यह जानकारी दोनों देशों और अमेरिका के विदेश विभाग की तरफ से बुधवार को एक साथ जारी बयान में दी गई। कांगो ने आरोप लगाया है कि रवांडा देश के पूर्वी हिस्से में सक्रिय एम23 विद्रोही गुट की मदद कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों के अनुसार, इस विद्रोही गुट को रवांडा की तरफ से करीब 4,000 सैनिकों का समर्थन मिल रहा है। अमेरिका के विदेश विभाग की वेबसाइट पर पोस्ट किए गए बयान में कहा गया है।

इस्राइल से जंग के बीच ईरान में बदलाव की पुकार : पूर्व शाह के बेटे की जनता से अपील- उखाड़ फेंके खामनेई शासन

तेहरान, एजेंसी। ईरान और इस्राइल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के बीच एक पुरानी और जानी-पहचानी आवाज फिर से गूंजी है। ईरान के पूर्व शाह मोहम्मद रजा पहलवी के बेटे और निर्वासित राजकुमार रजा पहलवी ने अपने देशवासियों से मौजूदा इस्लामी शासन को समाप्त करने और लोकतांत्रिक बदलाव लाने की अपील की है। मंगलवार देर रात देश को संबोधित करते हुए रजा पहलवी ने कहा कि इस्लामी गणराज्य का अंत आ गया है और यह व्यवस्था अब टूट रही है। अयातुल्ला खामनेई एक डरे हुए चूहे की तरह बंकर में छिपा हुआ है और नियंत्रण खो चुका है।

राष्ट्रव्यापी विद्रोह के आह्वान पर जोर : इतना ही नहीं पहलवी ने ईरानी जनता से राष्ट्रव्यापी विद्रोह का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि ईरान को फिर से आजाद और लोकतांत्रिक रास्ते पर ले जाया जाए। उन्होंने आश्वासन दिया कि हमें इस्लामी गणराज्य के पतन के बाद पहले 100 दिनों की योजना तैयार है। हम संक्रमणकालीन सरकार के लिए तैयार हैं और जनता द्वारा चुनी गई लोकतांत्रिक सरकार की स्थापना करेंगे।

पहलवी ने ईरानी सुरक्षा बलों से की अपील : अपने बयान में आगे रजा पहलवी ने ईरान की सेना, सुरक्षा बलों और सरकारी कर्मचारियों से एक खास संदेश दिया। इशसके की है। उन्होंने सुरक्षाकर्मी और

कर्मचारियों से अपील भी की कि वे शासन के साथ खड़े न हों और लोगों का साथ दें। उन्होंने कहा कि अपने जीवन को एक गिरती हुई व्यवस्था के लिए बर्बाद न करें। जनता के साथ खड़े होकर इतिहास बनाएं। बता दें कि पहलवी का यह बयान उस समय आया है जब इस्राइल ने 13 जून को ऑपरेशन राइजिंग लायन के तहत ईरान के परमाणु, मिसाइल और सैन्य ठिकानों पर बड़े हमले किए। इस हमले के जवाब में ईरान ने भी मिसाइलों से पलटवार किया। माना जा रहा है कि यह क्षेत्र एक बड़े युद्ध की ओर बढ़ सकता है। मिलकर लिखेंगे इतिहास का नया अध्याय इसके साथ ही निर्वासन में रहते हुए भी कई ईरानी क्राउन प्रिंस माने जाने वाले रजा पहलवीने कहा कि हमारा भविष्य उज्जवल है। हम मिलकर इतिहास का नया अध्याय लिखेंगे। एक आजाद और समृद्ध ईरान हमारा इंतजार कर रहा है। हालांकि इससे पहले इस्राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी ईरान में शासन परिवर्तन की बात कह चुके हैं। नेतन्याहू ने इसे कट्टरपंथी और तानाशाही शासन बताया, जबकि ट्रंप ने कहा कि रान जैसे कट्टरपंथी देश के पास परमाणु हथियार नहीं होने चाहिए।

पेज एक का शेष...

पीएम मोदी ने दुनिया के सबसे बड़े....

सौंदर्य और आधुनिक प्रगति का जीवंत संयोग बताया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह के सावधानीपूर्वक आयोजन की सराहना करते हुए उन्होंने श्री एन. चंद्रबाबू नायडू और श्री पवन कल्याण को उनके दूरदर्शी नेतृत्व के लिए धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री ने उनके नेतृत्व में प्रदेश में शुरू किए गए योगांध्र अभियान की भी सराहना की।

योगांध्र अभियान अभियान के प्रति अनुकरणीय समर्पण के लिए आंध्र प्रदेश के कैबिनेट मंत्री नारा लोकेश की विशेष प्रशंसा की गई। प्रधानमंत्री ने कहा कि नारा लोकेश ने योग को वास्तव में समावेशी सामाजिक उत्सव में बदल दिया है। पिछले कई हफ्तों में, श्री लोकेश के प्रयासों ने व्यापक स्तर पर लोगों को संगठित किया है, जिससे समाज के हर वर्ग की भागीदारी बढ़ी है।प्रधानमंत्री ने कहा कि योगांध्र अभियान में दो करोड़ से अधिक लोगों ने भाग लिया है जो जबरदस्त जन समर्थन जनभागीदारी की भावना को दर्शाता है और जो एक विकसित भारत की नींव रखता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब नागरिक राष्ट्रीय मिशन की जिम्मेदारी लेते हैं, तो कोई भी लक्ष्य बहुत महत्वाकांक्षी नहीं रह जाता। विशाखापत्तनम में पूरे समारोह में लोगों की ऊर्जा, प्रतिबद्धता और सद्भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने के लिए प्रस्ताव पारित करवाने का अभूतपूर्व कदम उठाया। योग के लिए यह पहल अब 180 से अधिक देशों में मनाए जाने वाले वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य आंदोलन में बदल गई है।"

प्रतापराव जाधव ने कहा कि इस आंदोलन के एक दशक पूरे होने के अवसर पर, "हमने इस वर्ष 10 प्रमुख कार्यक्रम शुरू किए हैं। इनमें वृक्षारोपण के साथ हरित योग (ग्रीन योग), योग कनेक्ट, योग पार्क, योग बंधन, योग महाकुंभ और योग संगम शामिल हैं, जिन्हें देश भर में 10 लाख से अधिक संगठन मना रहे हैं।"

आंध्र प्रदेश सरकार को बधाई देते हुए केंद्रीय आयुष मंत्री ने कहा कि "मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में 21 मई को आंध्र प्रदेश में 'योगआंध्र अभियान' शुरू किया गया। इस अभियान के तहत कल 22,000 से अधिक आदिवासी छात्रों ने 15 मिनट में सूर्य नमस्कार के 12 चक्र पूरे कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया।"

विभिन्न देशों के राजदूत / उच्चायुक्त/.....

कोसी, सुपिन और टोंस नदी में गोल्डन महशीर और ट्राउट प्रजातियां आकर्षण का केंद्र हैद्यसफारी के मामले में45% से अधिक वन क्षेत्र के साथ राज्य में 6 राष्ट्रीय उद्यान और 7 वन्यजीव अभयारण्य हैं द्य खगोल पर्यटन में नक्षत्र सभा की पहल से काले आसमान को बढ़ावा मिलेगा जायरोकॉप्टर सवारी में जायरोकॉप्टर के माध्यम से हवाई यात्रा एक अद्वितीय साहसिक अनुभव प्रदान करती है।राज्य में आयुष की संभावनाओं तथा राज्य सरकार द्वारा किए गए बेहतरीन कार्यों पर प्रकाश डालते हुए अपर सचिव श्री विजय कुमार जोगदंडे विदेशी डेलिगेट्स के समक्ष अपना प्रस्तुतीकरण देते हुए बताया कि उत्तराखंड अपने मनोरम स्थलों, अनुकूल हिमालयी जलवायु और आध्यात्मिक जीवंतता के आयुष भूमि के रूप में भी जाना जाता है।

डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक...

प्रासंगिकता, विश्वशांति, भारतीय ज्ञान परंपरा और वर्तमान वैश्विक संदर्भ में भारत की भूमिका जैसे गूढ़ और दूरदृष्टिपूर्ण विषयों पर भी सारगर्भित चर्चा हुई।

राष्ट्रपति का चिंतन न केवल विद्वतापूर्ण था, बल्कि उसमें भारतीय आत्मा की गूंज स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रही थी। उनकी विनम्रता, सहजता और राष्ट्र के प्रति समर्पित दृष्टिकोण अत्यंत प्रेरणादायक है। चर्चा के इस सारगर्भित क्रम में डा. निशंक ने राष्ट्रपति को हिमालय की गोद में स्थित भारतवर्ष के प्रथम 'लेखक गांव' (थानों, देहरादून) में आने का निमंत्रण भी दिया, जो साहित्य, संस्कृति एवं भारतीय मनीषा के संरक्षण और संवर्धन हेतु समर्पित एक दिव्य प्रयास है।

त्रिस्तरीय पंचायतों के सामान्य निर्वाचन दो चक्रों में कराए जायेंगे संपन्न

देहरादून(ब्यूरो)। उत्तराखंड के 12 जनपदों (जनपद हरिद्वार को छोड़कर) में त्रिस्तरीय पंचायतों के सामान्य निर्वाचन के लिए राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है। राज्य निर्वाचन आयुक्त सुशील कुमार ने बताया है कि राज्य में त्रिस्तरीय पंचायतों के सामान्य निर्वाचन दो चक्रों में संपन्न कराए जायेंगे। नामांकन की प्रक्रिया 25 जून 2025 से प्रारंभ होगी और पहले चक्र में आगामी 10 जुलाई 2025 तथा दूसरे चक्र में 15 जुलाई 2025 को मतदान की प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी। मतगणना 19 जुलाई 2025 को होगी। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायतों के निर्वाचन को देखते हुए राज्य में नगरीय क्षेत्रों एवं जनपद हरिद्वार को छोड़कर आदर्श आचार संहिता लागू कर दी गई है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री सुशील कुमार ने शनिवार को राज्य निर्वाचन आयोग के सभाकक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में राज्य के 12 जनपदों (जनपद हरिद्वार को छोड़कर) में त्रिस्तरीय पंचायतों के सामान्य निर्वाचन को लेकर तय कार्यक्रम एवं आयोग की तैयारियों की जानकारी दी। इस मौके पर आयोग के सचिव राहुल कुमार गोयल और संयुक्त सचिव कमलेश मेहता भी उपस्थित रहे।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने बताया कि पंचायत चुनावों के लिए आयोग के द्वारा शनिवार को जारी अधिसूचना के क्रम में संबंधित जिला मजिस्ट्रेट एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) अपने जिले की ग्राम पंचायतों के सदस्यों, ग्राम पंचायतों के प्रधानों, क्षेत्र पंचायतों के सदस्यों तथा जिला पंचायत के सदस्यों के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों का पदों व आरक्षण सहित पूर्ण विवरण देते हुए सोमवार 23 जून 2025 को अधिसूचना जारी करेंगे। आयोग द्वारा दो चक्रों में निर्वाचन संपन्न कराने हेतु निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सभी

चक्रों के लिए नामांकन दिनांक 25 जून 2025 से 28 जून 2025 तक पूर्वाह्न 8.00 बजे से अपराह्न 4.00 बजे होंगे। नामांकन पत्रों की जांच की पक्रिया 29 जून 2025 से 01 जुलाई 2025 तक पूर्वाह्न 8.00 बजे से कार्य समाप्ति तक संपन्न कराई जाएगी। नाम वापसी की तिथि 2 जुलाई 2025 पूर्वाह्न 8.00 बजे से अपराह्न 3.00 बजे तक निर्धारित है।

प्रथम चक्र के लिए निर्वाचन प्रतीक चिन्हों का आवंटन 03 जुलाई 2025 को और द्वितीय चक्र के लिए निर्वाचन प्रतीक चिन्हों का आवंटन 08 जुलाई 2025 पूर्वाह्न 8.00 बजे से किया जाएगा। पहले चक्र में निर्धारित विकास खंडों के अंतर्गत आगामी 10 जुलाई 2025 को तथा दूसरे चक्र में निर्धारित विकास खंडों के अंतर्गत 15 जुलाई 2025 को पूर्वाहन 8.00 बजे से अपराहन 5.00 बजे तक मतदान होगा। मतगणना आगामी 19 जुलाई 2025 को पूर्वाह्न 8.00 बजे से होगी।

अधिसूचना के अनुसार प्रथम चक्र में अल्मोड़ा जनपद के ताकुला, धौलादेवी, ताड़ीखेत भैंसियाछाना, लमगड़ा एवं चौखुटिया, ऊधमसिंहनगर जिले के खटीमा, सितारगंज, गदरपुर एवं बाजपुर, चंपावत जिले के लोहाघाट एवं पाटी, पिथौरागढ़ जिले के धारचूला, डीडीहाट, मुनस्यारी एवं कनालीछीना, नैनीताल जिले के बेतालघाट, ओखलकाण्डा, रामगढ एवं धारी, बागेश्वर जिले के बागेश्वर, गरूड़ एवं कपकोट, उत्तरकाशी जिले के मोरी, पुरोला एवं नौगांव, चमोली जिले के देवाल, थराली, ज्योतिर्मठ एवं नारायणबगड, टिहरी गढवाल जिले के जौनपुर, प्रतापनगर, जाखणीधार, थौलधार एवं भिलंगना, देहरादून जिले के चकराता, कालसी एवं विकासनगर, पौड़ी गढवाल जिले के खिर्सू, पाबौ, थलीसैंण, नैनीडाण्डा, बीरौंखाल, रिखणीखाल, एकेश्वर एवं पोखड़ा और रूद्रप्रयाग जिले के ऊखीमठ, जखोली एवं अगस्त्यमुनि विकास खण्ड को शामिल किया गया है। जबकि दूसरे चक्र में अल्मोड़ा जनपद के सल्ट, स्याल्दे, भिकियासैंण, हवालबाग एवं द्वाराहाट,, ऊधमसिंहनगर जिले के रूद्रपुर, काशीपुर एवं जसपुर, चम्पावत जिले के चम्पावत एवं बाराकोट, पिथौरागढ जिले के विण, मूनाकोट, बेरीनाग एवं गंगोलीहाट, नैनीताल जिले के हल्द्वानी, रामनगर, भीमताल एवं कोटाबाग, उत्तरकाशी जिले के डुण्डा, चिन्यालीसौड़ एवं भटवाड़ी, चमोली जिले के पोखरी, दशोली, नन्दानगर, कर्णप्रयाग एवं गैरसैंण, टिहरी गढवाल जिले के कीर्तिनगर, देवप्रयाग, नरेन्द्रनगर एवं चम्बा, देहरादून जिले के डोईवाला, रायपुर एवं सहसपुर और पौड़ी गढ़वाल जिले के यमकेश्वर, जयहरीखाल, दुगड्डा, द्वारीखाल, पौड़ी, कोट एवं कल्जीखाल विकास खंडों को रखा गया है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त सुशील कुमार ने कहा कि पंचायत चुनावों की अधिसूचना जारी होने के साथ ही नगरीय क्षेत्रों एवं जनपद हरिद्वार को छोड़कर राज्य के सभी जिलों में आदर्श आचार संहिता लागू की गई है। आचार संहिता मतगणना समाप्ति तक प्रभावी रहेगी। उन्होंने बताया कि आचार संहिता के अनुपालन पर आयोग का विशेष ध्यान रहेगा। निर्वाचन प्रक्रिया पर निगरानी रखने के लए आयोग के द्वारा 55 सामान्य प्रेक्षकों की तैनाती की जा रही है और 12 प्रेक्षक आरक्षित रहेंगे। निर्वाचन व्यय पर निगरानी रखने के प्रत्येक जिले में एक प्रभारी अधिकारी (व्यय) की तैनाती करने की व्यवस्था की गई है। जिसके द्वारा प्रतिदिन जिलाधिकारी के माध्यम से आयोग को रिपोर्ट भेजी जाएगी। जिला स्तर पर जब्ती व प्रवर्तन कार्य हेतु जिला प्रशासन, पुलिस एवं आबकारी विभाग की तीन टीमें गठित की जाएगी। इन टीमों को अवैध मदिरा, मादक पदार्थों, नकदी एवं अन्य प्रकार के प्रलोभन या उपहार आदि वस्तुओं को जब्त करने का अधिकार होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी पेड न्यूज एवं प्रायोजित सर्वे आदि पर भी नजर रखते हुए ऐसे व्यय संबंधित प्रत्याशी के खाते में जोड़ने की व्यवस्था करेंगे। राज्य स्तर पर भी पुलिस एवं आबकारी विभाग द्वारा एक-एक नोडल अधिकारी की तैनाती कर जब्ती एवं व्यय की रिपोर्ट आयोग के प्रस्तुत की जाएगी।

पंचायत चुनाव को संपन्न कराने के लिए 95909 कार्मिकों की तैनाती की जाएगी। जिनमें से 35700 कर्मी सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहेंगे। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने श्री सुशील कुमार ने कहा कि पंचायत चुनावों को लेकर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के साथ ही कार्मिकों की सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वर्षाकाल को देखते हुए संबंधित विभागों को विशेष आपदा योजना बनाए जाने के भी निर्देश दिए गए हैं।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने राज्य निर्वाचन आयोग का टोलफ्री नंबर 18001804280 जारी करते हुए बताया कि आदर्श आचार संहिता तथा पंचायत मतदाता सूची की प्रति आयोग की वेबसाईट ेमब.ना.हवअ.पद पर भी उपलब्ध कराई गई है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने बताया कि राज्य में हरिद्वार को छोड़कर अन्य 12 जिलों के 89 विकास खंडों में सदस्य ग्राम पंचायत के 55587, प्रधान ग्राम पंचायत के 7499, सदस्य क्षेत्र पंचायत के 2974 और सदस्य जिला पंचायत के 358 पदों पर निर्वाचन होना है। पंचायतों के कुल 66418 पदों पर निर्वाचन के लिए प्रदेश में 8276 मतदान केन्द्र और 10529 मतदान स्थल निर्धारित किए गए हैं। त्रिस्तरीय पंचायतों के निर्वाचन में 47,77,072 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। जिनमें महिला मतदाताओं की संख्या 2310996, पुरूष मतदाताओं की संख्या 2465702 और अन्य मतदाताओं की संख्या 374 है। वर्ष 2019 (कुल मतदाता 4320279) की तुलना में इस बार मतदाताओं की संख्या में 10.57 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। राज्य निर्वाचन आयोग के द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन के लिए उम्मीदवारों हेतु अधिकतम व्यय की सीमा निर्धारित की गई है। जिसके अनुसार सदस्य ग्राम पंचायत हेतु रू. 10 हजार, प्रधाम ग्राम पंचायत रू. 75 हजार, सदस्य क्षेत्र पंचायत हेतु रू. 75 हजार एवं सदस्य जिला पंचायत हेतु रू. 02 लाख की अधिकतम व्यय सीमा रखी गई है।

कांग्रेसजन पंचायत चुनाव को संगठन विस्तार के उत्सव के रूप में लें : महर्षि

देहरादून(ब्यूरो)। उत्तराखंड राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदेश में हरिद्वार को छोड़कर शेष 12 जिलों में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव कराए जाने के निर्णय का स्वागत करते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं से इसे संगठन विस्तार के उत्सव की तरह लेने का आह्वान किया है। प्रदेश कांग्रेस मीडिया प्रभारी एव मुख्य मीडिया समन्वयक राजीव महर्षि ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा तथा नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने इस चुनाव को पूरी गंभीरता से लड़ कर पार्टी की विचारधारा को जन जन तक पहुंचाने का एक बेहतर अवसर बताया है और इसके लिए पार्टी के सभी समर्पित कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर काम करने की जरूरत है। महर्षि ने कहा कि प्रदेश में लंबे समय से पंचायती राज व्यवस्था को राज्य सरकार द्वारा स्थगित रखा गया है। ग्राम पंचायत से लेकर जिला पंचायत तक सब कुछ जनप्रतिनिधित्व विहीन हो गया था। जिला सरकार नाम की यह व्यवस्था

कार्यकाल समाप्त हो जाने के बाद पहले प्रशासनिक अधिकारियों को तैनात किया गया, फिर इसे प्रयोगशाला बनाते हुए जनप्रतिनिधियों को ही प्रशासक बनाया गया और इसी माह एक बार फिर पंचायतों को नौकरशाही के अधीन कर दिया गया था। उच्च न्यायालय के आदेश के बाद सरकार अब पंचायत चुनाव के लिए तैयार हुई है, इसलिए इस अवसर का पार्टीजनों द्वारा लाभ उठाया जाना चाहिए। महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज और राजीव गांधी जी द्वारा पंचायती राज कानून लागू किए जाने से एक बड़ा स्वप्न साकार हुआ था। ग्राम पंचायत से लेकर जिला पंचायत तक सभी पदों पर पार्टी कार्यकर्ताओं को बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग करने की जरूरत है, ताकि प्रदेश में कांग्रेस द्वारा फिर एक बार जनादेश प्राप्त किया जाए।

महर्षि ने कहा कि पंचायत चुनाव वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव का पूर्वाभ्यास है, इसलिए इसे बहुत संजीदगी से लेने की जरूरत है। पंचायत चुनाव की पृष्ठभूमि ही अगले चुनाव में कांग्रेस को वापस सत्तारूढ़ करने का आधार बनेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष करण महरा और नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य स्वयं पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों को आशीर्वाद प्रदान करने के लिए जिलों का दौरा करेंगे। ग्राम पंचायत स्तर पर भी पार्टी कार्यकर्ताओं को विचारधारा की दृष्टि से अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करने का यह बेहतर अवसर है, इसमें कोई कोरकसर नहीं छोड़ी जानी चाहिए।

भारतीय मजदूर संघ के कार्यक्रम में पहुंचे सीएम धामी

हरिद्वार(ब्यूरो)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज हरिद्वार में भारतीय मजदूर संघ उत्तराखंड द्वारा आयोजित प्स्वर्णिम 70 वर्षष् के समापन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि श्रमिकों और उद्योगों के बीच समन्वय कैसे बनाए रख सकते हैं हम इस पर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। हमारा निरंतर प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि हमारे सभी श्रमिकों को सर्वोत्तम संभव सुविधाएं मिलें। वहीं, इसके बाद सीएम जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी राज राजेश्वराश्रम महाराज से भी मिले और आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि कावड़ मेले को लेकर तैयारी पूरी है। बहुत जल्द वे अपने स्तर से एक बैठक लेंगे। मानसून को लेकर पहले ही केंद्र के अधिकारियों के साथ बैठक हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि हर साल उत्तराखंड आपदा से ग्रस्त होता है। आपदा के असर को कम करने पर जोर देते हुए कहा कि आपदा को लेकर हाल ही में बड़ा सेमिनार आयोजित किया गया था। जिसके आउटकम से उत्तराखंड को नहीं बल्कि विश्व को भी लाभ मिलेगा।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक दिनेश एस त्रिखा द्वारा विभोरवार्ता आर्फसेट 2 स्टेशन रोड, सहारनपुर रोड देहरादून उत्तराखण्ड से मुद्रित कर 27 गुरूद्वारा रोड ज्वालापुर हरिद्वार उत्तराखण्ड से प्रकाशित। RNI NO.UTTHIN/2009/29251 प्रधान सम्पादक दिनेश एस. त्रिखा-9837012330 सम्पादकः विभोर त्रिखा-09927012330